



# भारत का गज़ेट

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 42] नई दिल्ली, शनिवार, अक्टूबर 21, 1978 (आश्विन 29, 1900)

No. 42] NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 21, 1978 (ASVINA 29, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a Separate Compilation.

### विषय-सूची

पृष्ठ

पृष्ठ

भाग I—खण्ड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित ग्रंथिसूचनाएं	787	जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं) . . . . . 2347
भाग I—खण्ड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई ग्रंथिसूचनाएं अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित ग्रंथिसूचनाएं	1369	भाग II—खण्ड 3—उप खण्ड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के घन्तगंत बनाए और जारी किए गए आदेश और ग्रंथिसूचनाएं . . . . . 2813
भाग I—खण्ड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित ग्रंथिसूचनाएं	—	भाग II—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा ग्रंथिसूचित विधिक नियम और आदेश . . . . . 289
भाग I—खण्ड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित ग्रंथिसूचनाएं	981	भाग III—खण्ड 1—महालेखापरीक्षक, संघ सोक सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च मंत्रालयों और भारत सरकार के ग्रामीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई ग्रंथिसूचनाएं . . . . . 5893
भाग II—खण्ड 1—ग्रंथिनियम, ग्रंथादेश और विनियम . . . . .	—	भाग III—खण्ड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई ग्रंथिसूचनाएं और नोटिस 741
भाग II—खण्ड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रधार समितियों की रिपोर्ट . . . . .	—	भाग III—खण्ड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई ग्रंथिसूचनाएं . . . . . —
भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के घन्तगंत बनाए और	—	भाग III—खण्ड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक ग्रंथिसूचनाएं जिनमें ग्रंथिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं . . . . . 1679
—	—	भाग IV—गैर सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस . . . . . 168

## CONTENTS

PAGE	PAGE	
<b>PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court</b> .. .. .. ..	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) .. .. .. ..	2347
<b>PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court</b> .. .. .. ..	<b>PART II—SECTION 3.—Sub. SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) .. .. .. ..</b>	2813
<b>PART I—SECTION 3—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders, and Resolutions issued by the Ministry of Defence</b> .. .. .. ..	<b>PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence .. .. .. ..</b>	289
<b>PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence</b> .. .. .. ..	<b>PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India .. .. .. ..</b>	3893
<b>PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations</b> .. .. .. ..	<b>PART III—SECTION 2—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta .. .. .. ..</b>	741
<b>PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills</b> .. .. .. ..	<b>PART III—SECTION 3—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners .. .. .. ..</b>	—
<b>PART II—SECTION 3.—Sub. SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India</b> .. .. .. ..	<b>PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies .. .. .. ..</b>	1679
	<b>PART IV—Advertisements and Notices by Private individuals and Private Bodies .. .. .. ..</b>	168

## भाग I—खण्ड 1

### [PART I—SECTION 1]

#### (रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 21 अक्टूबर 1978

नियम

सं० 78/ई(जी० आर०)/I/1/7—यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में विशेष श्रेणी प्रेरिटिसों के रूप में नियुक्ति के लिये उम्मीदवारों का चयन करने के उद्देश्य से संघ लोक सेवा शायेग द्वारा 1979 में ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिये प्रकाशित किये जाते हैं।

2. परीक्षा परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या का उल्लेख शायेग द्वारा जारी किये जाने वाले नोटिस में किया जायेगा। अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के सम्बन्ध में रिक्तियों का आरक्षण भारत सरकार द्वारा नियत संख्या में किया जायेगा।

अनुसूचित जातियों/जन जातियों से अभिप्राय निम्नलिखित आदेशों में उल्लिखित जातियों/जन जातियों में से किसी एक से है:—

संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जन जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) (संघ राज्य शेत्र) आदेश, 1951, अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति सूचियां (संशोधन) आदेश, 1956, अनुसूचित पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970, उत्तर पूर्वी शेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976, (द्वारा यथा संशोधित), संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जन जातियों आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1978, (द्वारा यथा संशोधित), संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1956, संविधान, (अन्डमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1959, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1956 द्वारा यथा संशोधित, संविधान (दादर और नागर द्वीपी) अनुसूचित जाति आदेश, 1962, संविधान (दादर और नागर द्वीपी) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जाति आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित जन जाति) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोप्ता, लमन और रियु) अनुसूचित जन जाति आदेश, 1968 तथा संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जनजातियों आदेश, 1970।

3. संघ सोक सेवा शायेग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट I में निर्धारित ढंग से ली जायेगी। परीक्षा की तारीख और स्थान शायेग द्वारा निर्धारित किये जायेंगे।

4. उम्मीदवार के लिये आवश्यक होगा कि वह या तो:—

(क) भारत का नागरिक होना चाहिये, या

(ख) नेपाल की प्रजा, या

(ग) भूटान की प्रजा, या

(घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी, जो भारत में स्थाई रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत पा गया हो, या

(ङ) कोई भारत मूल का व्यक्ति जो भारत में स्थाई रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, ग्रीष्मीयी, उगांडा तथा तंजानिया संयुक्त गणराज्य पूर्वी अमेरिका देशों से या जांबिया, मलायी, जेरे, इथियोपिया और वियतनाम से आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ), (ङ) वर्गों के प्रत्यंगत आने वाले उम्मीदवारों के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिजिबिलिटी) प्रमाण पत्र होना चाहिये।

ऐसे उम्मीदवार को भी उक्त परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है जिसके बारे में पात्रता प्रमाण पत्र प्राप्त करना आवश्यक हो किन्तु उसकी नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा उसके सम्बन्ध में पात्रता प्रमाण-पत्र जारी कर दिये जाने के बाद ही भेजा जा सकता है।

5. (क) उम्मीदवार के लिये आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जनवरी, 1979 को 16 वर्ष हो चुकी हो लेकिन 20 वर्ष तक ही अर्थात् उसका जन्म जनवरी 2, 1959 से पहले और 1 जनवरी, 1963 के बाद न हुआ हो।

(ख) उपर वर्ताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में छील वी जा सकती है:—

(i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।

(ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थायित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रवासन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(iii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जनजाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का सद्भाविक विस्थायित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रवासन किया हो तो अधिक से अधिक भाठ वर्ष।

(iv) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और प्रक्तुबर 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के प्रधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत से प्रवासन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष।

(v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति का हो और श्रीलंका से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका सिमलैटे के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रवासन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष ।

(vi) यदि उम्मीदवार वर्मा से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवासन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष ।

(vii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का हो और वर्मा से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रवासन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष ।

(viii) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में कौंजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किये गये ऐसे रक्षा कार्मिकों को अधिक से अधिक तीन वर्ष ।

(ix) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में कौंजी कार्यवाही के दौरान विकलांग होने के फलस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किये गये ऐसे रक्षा कार्मिकों के लिये, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष ।

(x) 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान कार्यवाही में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त किये गये सीमा-सुरक्षा बल के रक्षा कार्मिकों के लिये, अधिक से अधिक तीन वर्ष ।

(xi) वर्ष 1971 के भारत पाकिस्तान के बीच संघर्ष के दौरान कौंजी कार्यवाही में विकलांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निर्मुक्त सीमा सुरक्षा बल के उन रक्षा कार्मिकों के लिये, जो अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जन जाति के हों, अधिक से अधिक आठ वर्ष ।

(xii) यदि कोई उम्मीदवार आन्तरिक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पार पक्क हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास विषयतामा मैं भारतीय राजनूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाण पक्क है, और जो विषयतामा से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिये अधिक से अधिक तीन वर्ष ।

(xiii) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा और तंजानिया के संयुक्त गणराज्य से प्रवासन किया हो या जांबिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष तक ।

(ग) ऐसा उम्मीदवार जो निषणिक लारीब शर्तात् पहली जनवरी, 1979 को निर्धारित उपरी आयु-सीमा से अधिक आयु का हो जाता है और जो आन्तरिक सुरक्षा अनुसूचित अधिनियम के अन्तर्गत निरद्धारित गणराज्य के दौरान अधिकार उक्त उपरी आयु-सीमा से संबंधित होने के कारण भारत रक्षा तथा आन्तरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 या उसके अन्तर्गत बने नियमों के अधीन गिरन्तार या कैद हुआ था और इस प्रकार उक्त परीक्षा में प्रवेश हेतु निर्धारित आयु-सीमा के अन्वर होते हुए भी परीक्षा में उपरित्थित होने से रोक दिया गया था, इस पर्यंत परीक्षा में बैठने का पात्र होगा कि वह जून, 1975 और मार्च, 1977 के बीच की अवधि के दौरान परीक्षा में कम से कम एक बार

भी नहीं बैठ पाया हो (अर्थात् उसने परीक्षा छोड़ दी हो), जिसके लिये वह हर प्रकार से पात्र था ।

नोट:—इस विधायत के अन्तर्गत जो कि 31-12-1979 के बाद होने वाली किसी भी परीक्षा में प्रवेश के लिये आयु नहीं होपी एक से अधिक अवसर नहीं दिया जायेगा ।

अपर की गई व्यवस्था को छोड़ कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी हालत में छोट नहीं दी जा सकती ।

6 उम्मीदवार ने—

(क) भारत सरकार द्वारा अनुमोदित किसी विश्वविद्यालय या बोर्ड की इंटरमीडिएट प्रथमवा समकक्ष परीक्षा गणित के साथ और भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय सेकर प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो ।

(ख) किसी विश्वविद्यालय के तीन वर्ष के द्वितीय पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम वर्ष की परीक्षा या ग्रामीण उच्चतर शिक्षा की राष्ट्रीय परिषद की ग्रामीण सेवाओं में तीन वर्ष के डिप्लोमा पाठ्यक्रम की प्रथम परीक्षा पास की हो या मध्यम विश्वविद्यालय (शाम के कालेज) के स्नातक कला विज्ञान के बार वर्षीय पाठ्यक्रम के बीच वर्ष में प्रोश्रुति के लिए तीसरे वर्ष की परीक्षा पास की हो, जिसमें वापिस के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम से कम एक विषय रहा हो, लेकिन शर्त यह है कि डिप्लोमा/डिप्लोमा पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उसने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या पूर्व विश्वविद्यालय या समकक्ष परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो ।

जिन उम्मीदवारों ने तीन वर्षीय पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम/द्वितीय वर्ष की परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो; या

(ग) किसी भारतीय विश्वविद्यालय या माध्यताप्राप्त बोर्ड की पूर्व व्याक्षसायिक/पूर्व तकनीकी परीक्षा जो उच्चतर माध्यमिक या पूर्व विश्वविद्यालय स्तर के एक वर्ष बाब ली गई हो, प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो और परीक्षा के विषयों में गणित के साथ भौतिकी और रसायन विज्ञान में कम से कम एक परीक्षा का विषय रहा हो; या

(घ) किसी विश्वविद्यालय के पांच वर्षीय इंजीनियरी द्वितीय पाठ्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम वर्ष की परीक्षा पास की हो, लेकिन शर्त यह है कि द्वितीय पाठ्यक्रम शुरू करने से पहले उसने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा या पूर्व विश्वविद्यालय या समकक्ष परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो ।

जिन उम्मीदवारों ने पांच वर्षीय इंजीनियरी द्वितीय पाठ्यक्रम की प्रथम वर्ष की परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो, जो आवेदन पत्र भेज सकते हैं, लेकिन शर्त यह है कि प्रथम वर्ष की परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा ली गई हो; या

(ज) केरल और कालीकट के विश्वविद्यालयों से गणित के माध्य भौतिकी और रसायन विज्ञान में से कम-से-कम एक विषय लेकर पूर्वस्नातक परीक्षा प्रथम या द्वितीय श्रेणी में पास की हो ।

नोट (i): जिन उम्मीदवारों की विश्वविद्यालय/बोर्ड द्वारा इंटरवीडिए या उपर्युक्त किसी अन्य परीक्षा में कोई विशिष्ट अंतर्णाली न दी गई हो, उन्हें भी शैक्षणिक बृष्टि से पात्र समझा जायेगा लेकिन प्राप्त यह है कि उसके प्राप्तीकों का कुल योग संबंधित विश्वविद्यालय/बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रथम या द्वितीय अंतर्णाली के अंतर्णाली की सीमा में हो ।

नोट (ii): कोई ऐसा उम्मीदवार जो कि ऐसी परीक्षा में बैठ चुका है जिसे पास करने से वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र बनता है लेकिन जिसके परीक्षाकाल की सूचना उसे नहीं मिली है, इस परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र भेज सकता है । यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता है तो वह भी आवेदन पत्र दे सकता है । ऐसे उम्मीदवार को, यदि वह अन्यथा पात्र हो, तो परीक्षा में प्रवेश मिल जायेगा, लेकिन उसके प्रवेश को अनन्तिम समझा जायेगा और यदि वह उस परीक्षा को पास करने का प्रमाण यथासंभव शीघ्र और किसी भी हालत में 26 अक्टूबर, 1979 तक पेश नहीं करता, तो उस के प्रवेश को रद्द कर दिया जाएगा ।

नोट (iii): आपातविक भाषणों में, आयोग किसी ऐसे उम्मीदवार को शैक्षणिक बृष्टि से अर्हक मान सकता है जिसके पास इस नियम में निर्धारित अर्हताओं में से कोई भी अर्हता न हो लेकिन ऐसी अर्हताएं हों, जिनके स्तर के बारे में आयोग का यह मत हो कि उनके आधार पर उसे परीक्षा में प्रवेश देना उचित है ।

7. उम्मीदवार के लिए आवश्यक होगा कि वह आयोग की सूचना के पैरा 5 में विविध फोस दें ।

8. ऐसे सभी उम्मीदवारों को जो सरकारी सेवा में स्थायी या अस्थायी आधार पर या नैमित्तिक अधिकारी वाले कर्मचारियों को डोङ्कर अन्य कार्य-प्रभारित कर्मचारियों के रूप हो, आयोग की सूचना के अनुबन्ध के पैरा 2 में दी गई हितायतों के अनुसार अपने विभागाधिकार से एक "कोई आपत्ति नहीं प्रमाण-पत्र" प्रस्तुत करना होगा ।

9. परीक्षा में प्रवेश के लिए कोई उम्मीदवार पात्र है या नहीं, इस संबंध में आयोग का निर्णय अद्वितीय होगा ।

10. जब तक किसी उम्मीदवार के पास आयोग से प्राप्त प्रवेश प्रमाण-पत्र नहीं होगा तब तक उसे परीक्षा में नहीं बैठने दिया जायेगा ।

11. जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निर्धारित कदाचार का दोषी घोषित होता है या हो चुका है:—

- (i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करना; या
- (ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होना; या
- (iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे को प्रस्तुत करना; या
- (iv) जासी प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करना; या
- (v) अणुदू या असत्य बक्तव्य देना या महत्वपूर्ण सूचना को छिपाकर रखना; या
- (vi) परीक्षा के लिए अपनी उम्मीदवारी के संबंध में किसी अनियमित या अनुचित लाभ उठाने का प्रयास करना; या
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाए हों; या
- (viii) उत्तर प्रस्तिका(ओं) पर असंगत बातें लिखी हों जो असली भाषा या अभिन्न भाषाय की हों; या
- (ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्घटहार किया हो; या
- (x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो; या

(xi) उपर्युक्त बाक्यांशों में निर्धारित सर्वी या कोई भी कृत्य करने का प्रयास करने या उसे अवधिरित करने, जैसा भी सामला हो, का दोषी हो या आयोग द्वारा दोषी घोषित किया गया हो तो उसके विरुद्ध आपातविक अभियोग चलाये जाने के अतिरिक्त निम्नलिखित कार्रवाई भी की जा सकती है:—

(क) आयोग द्वारा उसे उस परीक्षा के लिए, जिसका वह उम्मीदवार है, अनहुक घोषित किया जा सकता है; या

(ल) उसे स्थायी रूप से या विविध अवधि के लिए निम्नलिखित से विवरित किया जा सकता है:—

- (1) आयोग द्वारा स्व-आयोजित परीक्षा या अध्ययन से;
- (2) केंद्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी नौकरी से; और

(ग) यदि वह पहले से ही सरकारी नौकरी में हो तो उपर्युक्त नियमों के अधीन उसके विरुद्ध अनुशासन की कार्रवाई की जा सकती है ।

12. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में, उतने त्यूनतम अर्हक अंक प्राप्त कर लेते हैं, जितने आयोग स्वविवेक से निर्धारित करे, उन्हें आयोग अवित्तक परीक्षा हेतु साक्षात्कार के लिए बुलायेगा ।

किन्तु यदि आयोग की राय में अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन-जाति के उम्मीदवारों को उनके लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के उद्देश्य से सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संबंधों में साक्षात्कार के लिए बुलाना समझ न हो तो आयोग द्वारा उन्हें निर्धारित स्तर में छठ दी जा सकती है ।

13. परीक्षा के बाब आयोग हर उम्मीदवार को अंतिम रूप से लिए गए कुल अंकों के अनुसार योग्यता के आधार पर उम्मीदवारों की एक सूची बनायेगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों को, जिन्हें आयोग परीक्षा में अर्हक समझे, उतनी अनारक्षित रिक्तियों पर नियुक्ति के लिए सिफारिश की जायेगी जिनी रिक्तियों को परीक्षा परिणाम के आधार पर भरने का निर्णय किया गया हो ।

परन्तु अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जन-जातियों के लिए आरक्षित जितनी रिक्तियां सामान्य स्तर के आधार पर भरने से रह जाएं, उन्हें भरने के लिए आयोग, सामान्य स्तर को शिखित करके, अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन-जाति के उम्मीदवारों की सिफारिश कर सकता है भले ही वह परीक्षा में योग्यताक्रम के अनुसार उनका स्थान कहीं भी हो बायते वे सेवा में नियुक्ति के योग्य हों ।

14. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाकाल किस रूप में और किस दृंग से भेजा जाये, इस बात का निर्णय आयोग स्वविवेक से करेगा और परिणाम के संबंध में आयोग उम्मीदवारों से कोई पत्र अवधार नहीं करेगा ।

15. परीक्षा में सफल होने से तब तक नियुक्ति का अधिकार नहीं मिल जाता जब तक सरकार आवश्यक जांच पड़ताल के बाब इस बात से संतुष्ट न हो जाये कि उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए संर्वेषा उपयुक्त है ।

16. उम्मीदवार के लिए आवश्यक है कि वह मानसिक और शारीरिक बृष्टि से पूर्णतया स्वस्थ हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक बोध न हो जिसके कारण सेवा के अधिकारी के नाते उसके कर्तव्य पालन में आधा पड़ने की संभावना हो । जो उम्मीदवार ऐसी डाक्टरी परीक्षा के बाब जैसी कि सरकार या नियुक्ति करने वाला प्राधिकारी जैसी स्थिति हो, विविध रूप से इस आवश्यक बातों को पूरा नहीं करता, उसे नियुक्त नहीं किया जायेगा । केवल उन्हीं उम्मीदवारों की डाक्टरी परीक्षा भी जायेगी जिनकी नियुक्ति के बारे में विचार होने की संभावना है । डाक्टरी

परीक्षा के समय उम्मीदवारों को संबंधित चिकित्सा मंडल को 16 रुपये फीस देनी होगी।

**नोट:**— उम्मीदवारों को किसी प्रकार की निराशा न हो, इसके लिए उन्हें सलाह दी जाती है कि परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से परीक्षा करा ले। नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों की किस प्रकार की डाक्टरी परीक्षा होगी और उसमें उनसे किस स्तर की प्रेक्षा की जायेगी, इसका ब्यौरा इन नियमों के परिशिष्ट II में विद्या गया है। अपाहिज भूतपूर्व सेनिक कर्मचारियों और 1971 के हिन्दू पाक युद्ध के दौरान अपाहिज हो जाने के फलस्वरूप भूत द्वारा सीमा सुरक्षा दल के कर्मचारियों के संबंध में, प्रत्येक सेवा की आवश्यकताओं को व्यावर में रखते हुए, इन स्तरों में छूट दी जायेगी।

#### 17. कोई भी व्यक्ति

(क) जिसने ऐसे अविक्त से विवाह किया हो अथवा विवाह करने की संविवा की हो, जिसकी एक पत्नी/जिसका एक पति जीवित हो, अथवा

(ख) जिसने एक पत्नी/पति के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो अथवा विवाह करने की संविवा की हो, सेवा में नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से सन्तुष्ट हो कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर सांग होने वाली स्वीकृति विधि के अन्तर्गत इस प्रकार का विवाह अनुमेय है, और ऐसा करने के अन्य कारण है, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

18. इस परीक्षा के माध्यम से चयन किए गए विशेष श्रेणी प्रत्रेटिसों के लिए प्रत्रेटिसी की शर्तें परिशिष्ट III में दी गई हैं। यांत्रिक हंजीनियरों की भास्त्रीय रेल सेवा से संबंधित संविवा विवरण भी परिशिष्ट IV में दिये गए हैं।

पी० एन० मोहिले, सचिव, रेलवे बोर्ड

#### परिशिष्ट I

##### (विविए नियम ३)

परीक्षा निम्नलिखित योजना के अनुसार आयोजित की जाएगी:—  
भाग I—नीचे दर्शाए गए विषयों में 200 अंकों की लिखित परीक्षा।  
भाग II—व्यक्तित्व परीक्षण जिसमें अधिकतम अंक 200 होंगे (देखिए नियम १२)।

2. भाग I के अन्तर्गत लिखित परीक्षा के विषय, प्रत्येक विषय प्रश्न-पत्र के लिए निर्धारित समय और अधिकतम अंक निम्नलिखित होंगे:—

क्रम सं०	विषय	निर्धारित समय	अधिकतम अंक
1.	अंग्रेजी	2 घंटे	100
2.	सामान्य ज्ञान	2 घंटे	100
3.	भौतिकी	2 घंटे	100
4.	रसायन विज्ञान	2 घंटे	100
5.	गणित I (बीज गणित प्रारंभिक विस्तारकलन, लिंगोन्मिति और विश्लेषणात्मक ज्यामिति)	2 घंटे	100
6.	गणित II (कलन, अवकलन तथा समाकल और यांत्रिकी-स्टैटिस्टिकी तथा गतिकी)	2 घंटे	100
7.	मनोवैज्ञानिक परीक्षण	1 घंटा	100
	गोग	700	

3. सभी विषयों के प्रश्न-पत्रों में केवल "बल्लपुरक" प्रश्न होंगे। नमूने के प्रश्नों सहित विवरण के लिए परिशिष्ट V पर उम्मीदवार "सूचना पुस्तिका" दें।

4. प्रश्न-पत्रों में जहां आवश्यक हो केवल माप व तौल की मीट्रिक प्रणाली से संबद्ध प्रश्न दिए जाएंगे।

5. प्रश्न-पत्र लगभग इंटरमीडिएट स्तर के होंगे।

6. उम्मीदवार उत्तरों को अपने ही हाथ से लिखे। उन्हें किसी भी हालात में उत्तर लिखने के लिए किसी व्यक्ति की सहायता नहीं दी जाएगी।

7. परीक्षा का पार्कप्रक्रम संलग्न अनुसूची में विद्या गया है।

8. आयोग परीक्षा के किसी एक विषय या सभी विषयों के लिए महंगे अंक निर्धारित कर सकता है।

#### अनुसूची

अंग्रेजी—प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनसे उम्मीदवार की समझ और भाषा पर अधिकार का पता लग सके।

#### सामान्य ज्ञान

इस प्रश्न-पत्र का उद्देश्य उम्मीदवार की अपने आरों और के बातावरण और सामाजिक व्यवस्थाओं की सामान्य ज्ञानकारी का परीक्षण करना है। प्रश्नों के उत्तरों का स्तर उस स्तर का होगा जैसा कि 12वीं कक्षा या समकक्ष स्तर के विद्यार्थियों का होता है।

#### व्यक्ति और उसका परिवेश

जीवन का विकास, पौधे और पशु, वाणिजन और परिवेश आनुवंशिकी प्रक्रोल्ड, क्रोमोसोम, उत्पत्ति।

मानव शरीर की ज्ञानकारी—पोषाहार, संतुलित भोजन, प्रतिस्थायी खाद्य। महाभारतीयों और सामान्य रोगों की रोकथाम महिल लोक स्वास्थ्य और स्वच्छता। बानावरणीय प्रदूषण और उसकी रोकथाम ज्ञाय अपमिश्रण ज्ञानादों और उनसे निर्मित उत्पादों को सही प्रकार से स्टोर करना तथा परिवर्तन। जनसंख्या विस्फोट, जनसंख्या नियन्त्रण ज्ञाय और कच्चे सामान का उत्पादन। पशुओं तथा पौधों का संप्रजनन, शुत्रिम गर्भांश, जाव और उर्बरक, कलन रक्षण उपाय, अधिकतम किसीं और हरित कांति, भारत के मुख्य ग्रनात और नक्की फसल।

तौर परिवार और पृथकी। जलुंग जलवायु, मौसम। भूगोल—इसकी रचना और प्रपरदन। बन तथा उनके उपयोग। प्राकृतिक संकट 'क्रक्कात तूफान, बाढ़ भूकम्प ज्वालामुखी उद्धार'। पर्वत और नदियां और भारत में सिंचाई के लिए उनका योगदान। प्राकृतिक साधनों का वितरण और भारत में उत्पादन। तेल सहित भूतां ज्ञानियों की खोज। भारत के बनस्पति जात और प्राणिजात के विशेष संदर्भ के साथ प्राकृतिक साधनों विनियम।

#### भारत का इतिहास, राजनीति और समाज

वैदिक, महावीर, बुद्ध, मीर्ज, सुंग, शास्त्र, कृशन, गुप्त काल (मौर्य-कालीन स्तम्भ, स्तुप कंदराएं, संची मथुरा, और गंधर्व विशालय, मंदिर बास्तुकला, अश्वता और एलोरा) इस्लाम के आगे के साथ नई शक्तियों की उत्पत्ति और आपक संवर्धनों की स्थापना। सामंतवाद से पूर्जीवाद में स्थानान्तरण। यूरोपीय संवर्धनों की शुरूआत। भारत में ब्रिटिश शासन की स्थापना। राष्ट्रीयवाद और स्वतन्त्रता प्राप्ति के लिए राष्ट्रीय स्वतन्त्रता संग्राम।

भारत का संविधान और इसकी महत्वपूर्ण विशेषताएं—लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता, समाजवाद, समानता के अवसर और सरकार की रसंसीय प्रणाली प्रमुख राजनीतिक विचारधाराएं—लोकतन्त्र, समाजवाद, साम्यवाद और अर्हिसा के गंधीवादी विचार। भारतीय राजनीतिक दल, प्रभावशाली गुट, लोकमत और प्रेस, चुनाव प्रणाली।

भारत की विदेश नीति और गुट निरपेक्षता—शश्वत निर्माण होक, शक्ति संतुलन। विश्व संगठन—राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और

सांस्कृतिक पिछले दो वर्षों के दौरान भारत और विदेश में घटित प्रमुख घटनाएं (ब्लैककूप और सांस्कृतिक कार्यकालाप सहित) ।

भारतीय सामाजिक व्यवस्था की मुख्य विशेषताएं—जाति व्यवस्था में हाल में हुए परिवर्तन और दृष्टिकोण। अल्पसंख्यक सामाजिक संस्थाएं—विवाह, परिवार, और धर्म संस्कृति संक्षण।

थ्रम विभाजन, सहकारिता, टकराव और प्रतियोगिता, सामाजिक, नियन्त्रण, पुरस्कार और सजा, कला, कानून, रीतिरियाज, गलत प्रचार, सोकमत सामाजिक नियंत्रण की एजेंसियां—परिवार, धर्म, राज्य, शैक्षिक संस्थाएं, सामाजिक परिवर्तन के कारण आर्थिक, औद्योगिकीय, जनसांख्यिकीय सांस्कृतिक, कांति की संकल्पना ।

भारत में सामाजिक विषयान ।

जातिशाव, साम्प्रदायिकता, जनजीवन में भ्रष्टाचार, मूलक प्रशांति, भीज मांगना, औषध, अपराधवृत्ति और अपराध, गरीबी और बेरोजगारी ।

सामाजिक योजना और भारतीय सामुदायिक विकास का कल्याण और थ्रम कल्याण; अनुसूचित जातियों और पिछड़े वर्गों का कल्याण ।

धन कराधान, मूल्य जनसांख्यिकीय, दृष्टिकोण, राष्ट्रीय आय, आर्थिक विकास, निजी और सोक क्षेत्र, योजना में आर्थिक और गैर-आर्थिक कारण; संतुलित बनाम असंतुलित विकास, कृषि बनाम औद्योगिक विकास—स्त्रीति और साधन जुटाने से संबंध मूल्य स्थिरीकरण समस्याएं; भारत की पंच वर्षीय योजनाएं ।

#### भौतिकी

वर्नियर, स्कूरोज, स्कोरोमीटर और आप्टीकल सीवर का प्रयोग करते हुए लम्बाई की माप ।

संमय और प्रब्ल्यमान की माप ।

सरल रेखिक गति और विस्थापन, वेग और त्वरण के बीच संबंध ।

स्पूटन के गति के नियम: संवेग, आवेग, कार्य, ऊर्जा और शक्ति ।

#### वर्षण गुणांक

बल किया के अन्तर्गत पिछड़ों का संतुलन। बल का आधूर्ण: युवकत । मूल्यन का गुदाकारण सिद्धान्त । पलायन वेग । गुरुत्व के कारण त्वरण ।

प्रब्ल्यमान तथा भार । गुरुत्वकेन्द्र । एकसमान चक्रीय गति । अभिकेन्द्र बल । सरल आवर्ती गति । सरल सॉलक ।

द्वं भूमि में व्यावर और इसकी विभिन्न गहराई । पास्कल का नियम । प्रार्कीमिडीज का सिद्धान्त । तैरने वाले पिछ । परिवेशी व्यावर और इसकी माप ।

तापमान और इसकी माप । तापीय प्रसार । गैस नियम और परम ताप । विशिष्ट ऊप्ता । गुल ऊप्ता और उनकी माप । गैसों की विशिष्ट ऊप्ता । ऊप्ता का यांत्रिक समकक्ष । आतरिक ऊर्जा और ऊप्तागतिकी का पहला नियम । समलापी और रखोल्प परिवर्तन ।

ऊप्ता संचरण: तापीय चालकता ।

तरंग-गति । ग्रनुडैर्थ और अनुप्रस्थ तरंगे । प्रगामी और अप्रगामी तरंगें । गैस में अविनि का वेग और विविध कारणों पर निर्भरता । अनुनाद परिषटना (वायु संसंघ और रज्जु) ।

प्रकाश का परावर्तन और आवर्तन । वक्र दर्पणों और भैंसों द्वारा विस्थ रखना । सूक्ष्मदर्शी और दूरदर्शी (दृष्टि दौष) ।

प्रिज्म:—विचलन और प्रकीर्णन । न्यूनतम विचलन । वृश्य स्पेक्ट्रम ।

छड़ चुम्बक का ध्वनि । चुम्बकीय आधूर्ण । भूचुम्बकीय ध्वनि के तर्फ । चुम्बकत्वमापी । डाय, पैरा और फैरो चुम्बकत्व ।

विशुत ऊर्जा, विशुत क्षेत्र और विभव: कोलम्ब-नियम ।

विशुत भारा:—विशुत सेल, ई० एम० एफ० प्रतिरोध: एमीटर और बोल्टमीटर । औहूम का नियम: श्रेणी और समानान्तर में प्रतिरोध, विशिष्ट प्रतिरोध और चालकता । धारा का तापन प्रभाव ।

क्षीटस्टोन ऊर्जा, विभवमापी ।

धारा का चुम्बकीय प्रभाव: गोधे तार, कुंडली और सोलिनायड़:—विशुत, चुम्बक: विशुत घंटी ।

चुम्बकीय ध्वनि में चालक वाली धारा पर बल: चल कुंडलीधारा-मापी: एमीटर या बोल्टमीटर में परिवर्तन ।

धारा के रासायनिक प्रभाव: प्रायमिक और स्टोरेज सेल और उनकी क्रियाविधि विशुत प्रपञ्चन के नियम ।

विशुत-चुम्बकीय प्रेरणा: सरल ए० सी० तथा डी० सी० जनित्र । ट्रांसफार्मर, प्रपञ्चन कुंडली ।

कैथोड किरणों, इलेक्ट्रोन की ओज, परमाणु का बोहर माडल । डायोड और परिशोधक के रूप में इसके उपयोग ।

ऐक्स किरणों का उत्पादन, गुण और उपयोग ।

विषटनामिकता:—ऐक्सा, बीटा और गामा किरणें ।

नाभिकीय ऊर्जा, विषटन और संलयन: द्रव्ययान का ऊर्जा में परिवर्तन शुद्धता प्रभिकिया ।

#### रसायन विज्ञान

##### भौतिक रसायन विज्ञान

1. परमाणु संरचना, संक्षेप में पूर्व माडल । त्रिविम माडल के रूप में परमाणु । कक्षीय परिसंकल्पना । क्वान्टम, संक्षया और उनकी विशेषता; केवल आरम्भिक । अधिकिया । पाली का अपर्कर्जन सिद्धान्त । इलेक्ट्रानिक विन्यास । आफवु सिद्धान्त एस० पी० डी० और एफ० ब्लाक तत्व ।

आवर्ती वर्गीकरण—केवल दीर्घ रूप । आवर्त और इलैक्ट्रानिक विन्यास । परमाणु अनुपात । आवर्तक और सुपों में विशुत नकारात्मकता ।

2. रासायनिक आवर्धन, इलैक्ट्रोवेलेंट, कोवेलेंट, कोर्डिनेट, कोवेलेंट बंधन । डी० तथा एक्स० बंधनों के बंधन गुण, जल, हाइड्रोजन, सल-फाइड, मियेन और अमोनियम क्लोरोराइड जैसे सरल अणुओं के आकार । मोलेक्यूलर सम्बन्ध तथा हाइड्रोजन आबंधन ।

3. रासायनिक अभिक्रिया में ऊर्जा परिवर्तन ऊर्जा उन्मोक्ती और अप्लाशोर्धी अभिक्रिया । ऊप्तागतिकी के प्रथम नियम का प्रयोग । स्थिर ऊर्जा संकलन को हेस का नियम ।

4. रासायनिक संतुलन और अभिक्रिया की दरें । प्रब्ल्यमान क्रिया का नियम । व्यावर के प्रभाव । तापमान और अभिक्रिया दर पर केन्द्रीयकरण (ली बेटिलियर के सिद्धान्त पर आधारित गुणात्मक अभिक्रिया) आण्विकता प्रथम तथा द्वितीय कम अभिक्रियाएं । सक्रियण की ऊर्जा परिकल्पना । अमोनिया और सलफर ट्राइआक्साइड के नियम के लिये प्रयोग ।

5. विलयन: आस्तविक विलयन, कोलोडल विलयन और स्पैगन । तनु विलयनों के अणुसंक्षय गुणांक और विलयन पदार्थों के अणु भार निश्चित करना । क्वाली विलयनों का उम्भयन । हिमांक अवसादन । आस्मेट दबाव । रास्ट का नियम (केवल अनुप्तागतिकी अभिक्रिया) ।

6. विशुत रसायन विज्ञान:—विशुत प्रपञ्चन का फैराडे नियम । आयनी संतुलन । अुलनशीलता उत्पाद । प्रबल तथा क्षीण प्रपञ्चन । अम्ल तथा बेस (जैविस तथा ग्रोनस्टीड की परिकल्पना) । पी० एच० तथा उम्भय प्रतिरोधी विलयन ।

7. आकसीकरण-प्रपञ्चन:—आधुनिक इलेक्ट्रोनिकों परिकल्पना और आकसीकरण अंक ।

8. प्राकृतिक और कृतिग विषटनामिकता:—नाभिकीय विषटन और संलयन । विषटनामिक समस्यानियमों के उपयोग ।

अकार्बनिक रसायन विज्ञान

तथों की संक्षिप्त अभिक्रिया और उनके ग्रौथोग्रीष्मक महत्वपूर्ण मिश्रण।

1. हाइड्रोजन: आवतंतालिका में स्थिति। हाइड्रोजन का समस्यानिक मूणात्मक तथा घनात्मक विद्युती। जल, कटोर, मूल जल; उद्योग में जल का उपयोग। आरी पानी और इसके उपयोग।

2. युप I तत्व। सोडियम हाइड्रोक्साइड का विनिर्माण। सोडियम कार्बोनेट। सोडियम वाइकार्बनेट और सोडियम क्लोइड।

3. युप II तत्व। आशु तथा बुझा हुआ चूना। जिप्सम प्लास्टर ग्राफ पेरिस। मैग्नीशियम सल्फेट और मैग्नीशिया।

4. युप III तत्व। बोरक्स, एल्यूमिना और एल्यम।

5. युप IV तत्व। कोयला, लकड़ी तथा ठोस ईंधन। मिलिकेट, जोलिटिस तथा अर्ड्सुचालक। शीशा (प्रारम्भिक अभिक्रिया)।

6. युप V तत्व। ग्रोमेनिया और नाइट्रिक अम्ल का विनिर्माण। शैल फास्फेट और निरापद दियासलाई।

7. युप VI तत्व। हाइड्रोजन पर आक्साइड गंधक, सल्फयरिक अम्ल की ऊपररूपता। गंधक के आक्साइड।

8. युप VII तत्व। ड्लोरिन क्लोरोरिन का विनिर्माण तथा उपयोग। ग्रोमीन और आयोडीन। हाइड्रोक्लोरिक अम्ल। बलीचिंग पाउडर।

9. युप O (उल्कूष्ट गैस) हीलियम और इसके उपयोग।

10. ध्रातुकर्मीय संसाधन:—तांबा, लोहा, एल्यूमिनियम, आन्दी, सोना, जस्त तथा सीसे के विशिष्ट सन्दर्भ के साथ ध्रातुओं को निकालने की सामान्य पद्धतियां। इन ध्रातुओं की सर्वनिष्ठ मिश्रणातु; मिक्रिल मैग्नीशियमस्पास।

कार्बनिक रसायन विज्ञान

1. कार्बन का टेक्स्ट्रोल स्वरूप। संकरण और जी० एन० एन० ध्रातु तथा उनकी साक्षेपिक रूपित। एकल तथा बहु बंधन। ग्रनु का आकार। ज्यामितीय तथा प्रकाशीय समावयवता।

2. एल्केन, एल्कीन और एल्किलीन के तैयार करने के गुणधर्मों और अभिक्रियाओं की सामान्य पद्धतियां। पेट्रोलियम और इसकी परिवर्करण ईंधन के रूप में इसके उपयोग।

एरोमेटिक हाइड्रोकार्बन:—

अनुनाद और एरोमेटिकता। बैंजीन तथा निष्यालीन और उनके सापूर्ण एरोमेटिक प्रतिस्थापन अभिक्रियाएं।

3. हैलोजीन व्युत्पत्तियां: क्लोरोरोफार्म कार्बन, टेक्स्ट्रोलोरोहाइड, क्लोरो-बैंजीन—टी० ई० ई० और गैमेवसीन।

4. हाइड्रोक्सी मिश्रण: प्रायमिक, हितीय और तृतीय एल्कोहॉल मिथानाल, इथानाल, गलीसीरोल और किनोल के तैयार करने, गुणधर्म उपयोग। एक्लिफिटिक कार्बन ग्रनु पर प्रसिद्धापन अभिक्रियाएं।

5. इथर: डाइथाइल इथर।

6. इल्कीहाइड्स और केटान्स: फार्मेलीहाइड। एसिटेलीडीहाइड। बैंजलीहाइड, एसोटीन, एसीटोफीनाल।

7. नाइट्रो यैगिक एसीन: नाइट्रोबेनजीन। टी० एन० टी०। एनीटीन डाइजोनियम यैगिक। एजोडाइज।

8. कार्बोक्सीलिक अम्ल: फोर्मिक, एसीटिक, बेंजोइक और सेली-हिलिक अम्ल, एसीटाइल सेलीसिलिक अम्ल।

9. एस्टर: इथाइलोसीटेट, मिथाइल सेलीसिलेट्स, इथाइल बैन्जोइक।

10. पोलीमर्स: पोलीथीन टेजलाल, पर्सेप्टस, कूलिम रेफ़, नायलन और पोलिस्टर तंतु।

11. कार्बोहाइड्रेट्स, वसा और लिपोइड्स, एमीनो अम्ल और प्रोटीन विटामिन और हेमोन्स की प्रसंरचनात्मक अभिक्रिया।

गणितबीजगणित

प्रांक प्रणाली—वास्तविक प्रांक। पूर्णांक। परिमेय और अपरिमेय तथा उनके प्रारम्भिक गुणधर्म।

प्रारम्भिक प्रांक मिदांत—विभाजन, इत्योन्मित्यम विधि। अभाव और संयुक्त संक्षयाएं गुणित तथा गुणसम्बन्ध। गुणनखंडन प्रमय। महसुम समापवर्तक और लघुतम समापवर्त्य। यूक्लीडीन ऐत्योन्मित्यम।

लघुणक और उनका प्रयोग।

आशारी संक्रिया: सरल गुणनखंडन। बहुपदों का महत्वम समापवर्तक, लघुतम समापवर्त्य। द्वितीयी समीकरणों का हल, इसके मूल और गुणांक में सम्बन्ध।

भाजक एल्योन्मित्यम।

सूचकों के नियम, ए० पी० और जी० पी० ज्यामितीय श्रेणियां और इसका आवर्ती दशमलव विधि में प्रयोग।

क्रमचय और संयोजन। घनात्मक पूर्णांक सूचक के लिये द्विपद प्रमेय। संक्रिटन के लिये परिमेय सूचकों के लिये द्विपद प्रमेय का प्रयोग।

युगपत रैखिक समीकरण (तीन अशात संख्याओं तक) और उनका क्षुल। एक्स 1 एक्स 2 और एक्स 3 पर वाई के लिए हुए मूल्यों के लिये द्वितीय बक वाई=ए० बी० एक्स सी० एक्स 2 का संयोजन।

युगपत रैखिक असामिका (दो अशात संख्याओं में) और उनका ग्राफ।

२×२ मेंट्रोसिज और प्रारम्भिक संक्रिया। तत्समक ग्राम्भूह। ३ से अधिक तम का ग्राम्भूह विश्वायन का विपर्य।

प्रारम्भिक विस्तार कलन

समतल आकृति का भैतिकील। बर्नी, पिरामिडों, लम्बवृतीय बेलनों के आयतन और घरातलः—शंकु और गोलक।

(उपर्युक्त ग्राम्भायों से सम्बद्ध व्यावहारिक प्रैल और आवश्यकतानुसार यथोचित सूत्र लिये जायेंगे)

त्रिकोणमिति

कोण और उनकी कोटियों और रेडियन में माप। त्रिकोणमितीय ग्रनुपाल। योग के सूत्र। कोणों के ग्रावर्त्यों और अपवर्त्यों के साइन, कोसाइन और टेनजेंट। साइन, कोसाइन और टैंजेंट की शार्वतिता और ग्राफ। सरल त्रिकोणमितीय समीकरणों का हल।

ऊंचाई और दूरी के सरल प्रश्न।

विश्लेषिक ज्यामिति

समतल में रेखा की समीकरण। प्रथम कोटि की सामान्य समीकरण। दो रेखाओं के बीच कोण। सामान्तर और लम्बीय रेखाएँ।

दो सीधी रेखाओं की कार्टिसियन समीकरण।

वृत्त का समीकरण। सामान्य समीकरण। वृत्त के व्यर्षी और सामान्य समीकरण। दो वृत्तों के मूलाभ। वृत्तकुल।

परवलय, वीर्षवृत्त और अतिपरवलय की मात्राक समीकरण। वक पर लिंगी विन्दु पर स्पर्शी और सार्वीय समीकरण।

(उमीदवारों को ४ स्थान तक लोगरिय्मिक सालिकाओं के प्रयोग की ग्रनुमति दी जायेगी)

## गणित II

## कलम (भ्रवकल और पूर्णांक)

उदाहरणों द्वारा वास्तविक फलन और उनके ग्राफ। संयुक्त और अन्तर्गत फलन। वास्तविक फलनों का बीजगणित। परिमय और त्रिकोण-मित्रिय फलनों के उदाहरण और परम-फलन।

सीमा धारणा और फलन और योगातर का मौनत्य, फलनों का उत्पत्ति और भागफल।

किसी बिन्दु पर फलन का अनुपत्ति। परिवर्तन की तात्कालिक दर के रूप में अनुपत्ति और वक्र का छाल।

फलनों के योग, अन्तर, गुणनफल और भागफल की अनुपत्तियां। संयुक्त फलनों और 1-1 फलनों के अनुक्रम की अनुपत्तियां। बहुपद फलनों, परिमय फलनों, अपश्रृंतक फलनों, त्रिकोणमित्रिय फलनों और अनुक्रम त्रिकोणमित्रिय फलनों की अनुपत्तियां।

फलनों का आग्रह और अनिश्चित पूर्णांक।

सरल मामलों में आग्रह की परिणाम—(मग्न) प्रतिस्थापन द्वारा और अन्तर: समेकन।

गतिकी (सर्विज पद्धतियों की अनुमति होगी)

स्वैतिकी: बल का निरूपण, बल ममानानर चतुर्भुज। बल का मध्येजन और विभेद। ममतिक्षण और विभागीय बल। आगूर्य बल गृहम। सतुनन के प्रतिबंधसंगामी बल और ममतिक्षण बल (4 से अधिक नहीं)।

बल-त्रिभुज

सरल पिंडों का गुणस्त्र केन्द्र।

कार्य और शक्ति। सरल यन्त्र (लोवर, धिरनी तन्त्र, गियर)।

गतिकी: कण का विस्थापन, गति, बेग और स्वरण। सतत स्वरण के अन्तर्गत सीधी रेखा में गति। प्रकापी से सम्बद्ध सरल प्रश्न। एक रस्सी से जब्ते वो द्रव्यमानों की गति। ऊर्जा विनियम।

(उम्मीदवारों को 4 स्थान तक लाग की प्रयोग की अनुमति दी जायेगी)

मनोवैज्ञानिक परीक्षण—प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनसे उम्मीदवारों की बुनियादी जानकारी और यांत्रिक अविश्वसनीय का मूल्यांकन हो सके।

व्यक्तिगत परीक्षण

प्रत्येक उम्मीदवार का एक ऐसे बोर्ड द्वारा सामान्याकार किया जायेगा जिसके सामने उम्मीदवार के जैकिक तथा याताबात्य दोनों प्रकार के जीवन बृत का अविलेख होगा। उनसे सामान्य हित के भागलों से सम्बद्ध प्रश्न पूछे जायेंगे। उनके नेतृत्व, पहलानगित और बौद्धिक उत्सुकता, अव्यवहार कृशलता और अन्य सामाजिक गुणों, मानसिक और शारीरिक शक्ति, अव्यावहारिक प्रयोग की शक्ति और चरिक की सत्यगिता के गुणों का मूल्यांकन करने के लिये विशेष व्यान विधि जायेगा।

## परिगणित II

यांत्रिक हाजीनियमों की भारतीय रेल सेवा में नियुक्ति हेतु उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के लिये विनियम

वे विनियम उम्मीदवारों की सुविधा और उनके अपेक्षित शारीरिक स्तर की संभाव्यता को सुनिश्चित करने के लिये प्रकाशित किये जाते हैं। विनियमों का उद्देश्य स्वास्थ्य परीक्षकों और उन उम्मीदवारों का मार्ग दर्शन भी करना है जो विनियमों में निर्धारित न्यूनतम अपेक्षाओं को पूरा नहीं करते और जिन्हें स्वास्थ्य परीक्षकों द्वारा योग्य घोषित नहीं किया जा सकता है। किन्तु यदि बोर्ड उम्मीदवार इन विनियमों में दिये गये नियमों के अनुसार योग्य नहीं हैं तो भी चिकित्सा बोर्ड को भारत सरकार को उम्मीदवारों का अधिकार होगा जिसके लिये बोर्ड इस शाश्वत के लिखित कारणों का उल्लेख करेगा कि अपूर्ण उम्मीदवार सरकार की हानि के बिना सेवा में भर्ती किया जा सकता है।

यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिये कि भारत सरकार की चिकित्सा बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद किसी भी उम्मीदवार को अस्वीकृत या स्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार होगा।

1. नियुक्ति के लिये स्वस्थ ठहराये जाने के लिये यह जरूरी है कि उम्मीदवारों का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ ठीक हो और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिसके नियुक्ति के बाव दक्षता पूर्वक काम करने में भाग नहीं की भावना हो।

2. (क) भारतीय (एंग्लो इंडियन सहित) जाति के उम्मीदवारों की शायु, कद और छाती के धेर के परस्पर सम्बन्ध के बारे में ऐडिकल बोर्ड के ऊपर यह बात छोड़ दी गई है कि यह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गदर्शन के लिये जो भी परस्पर सम्बन्ध के आंकड़े सहसे अधिक उपयुक्त, समय, अवश्यक हों। यदि यज्ञन, कर और छाती के धेर में विषमता हो तो जांच के लिये उम्मीदवार को अस्वतान में रखना चाहिये और उसकी छाती का एकसे लेना चाहिये। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

(ख) किन्तु कद और छाती के धेर के लिये कम से कम मानसिक निम्नलिखित हैं, जिस पर पूरा न उतरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता:—

कद	छाती का धेर	फैलाव (पूरा फैलाव कर)
सें. मी.०	सें. मी.०	सें. मी.०
पुरुष उम्मीदवारों के लिये	152	84
महिला उम्मीदवारों के लिये	150	79

अनुसूचित जन जातियों तथा उन जातियों जैसे गोरखाओं, गढ़वालियों, असमियों, नागालैंड के अधिवासियों आदि, जिनका औसत कद स्पष्टः ही कम होता है, के मामले में भी निर्धारित न्यूनतम कद कम से कम कद में छूट वी जा सकती है।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में मापा जायेगा।

वह अपने जूते उतार देगा और उस माप दण्ड (स्टेंडर्ड) से इस कार सटा कर छड़ा किया जायेगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका यज्ञन सिवाय एडियों के पांवों के अंगूठों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह यिन अकड़े सीधा छड़ा होगा और उसको एडियो, पिंडलियों, नितम्ब और कंधे मापदण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीची रखी जायेगी ताकि सिर का स्तर (वर्टेस थाक वी हैड लेवल) हार्टिंग्टन बार (आड़ी छड़ा) के नीचे जाये। कद सेंटीमीटरों में मापा जायेगा।

4. उम्मीदवार को छाती मापने का तरीका इस प्रकार है:—

उसे इस भाँति छड़ा किया जायेगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजायें सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्वे इस तरह लगाया जायेगा कि उसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लैड) के निम्न कोणों (इन्कीरियर-एंसिल्स) के पीछे रहे और यह फीते को छाती के गिर्वे ले जाने पर उसी आड़े समतल (हार्टिंग्टन लेवल) में रहें। फिर भुजाओं को नीचे किया जायेगा और उन्हें शरीर के साथ लटका देने दिया जायेगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जायेगा कि कद्दे ऊपर या पीछे की ओर न किये जायें ताकि फीता अपने स्थान से हट न जाये। तब उम्मीदवार को कई बार गहरी सांस लेने के लिये कहा जायेगा तथा छाती के अधिक से अधिक फैलाव पर सावधानी से ध्यान दिया जायेगा और कम से कम अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकॉर्ड किया जायेगा। जैसे 84-89, 86-93 आदि। माप रिकॉर्ड करने समय आधे सेंटीमीटर से वर्म भिन्न (फैलाव) को नोट नहीं करना चाहिये।

व्यापार दें:—अनितम निर्णय से पूर्व उम्मीदवार का कद और छाती दो बार बांधे जाने चाहिये।

5. उम्मीदवार का बजान किया जायेगा और यह किलोग्राम में होगा। आधार किलोग्राम या उसका अंश नोट नहीं करना चाहिये।

6. उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जायेगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जायेगा:—

(i) सामान्य (जनरल) :—किसी रोग या असामान्यता (एब्नार्म-लिटी) का पता लगाने के लिये उम्मीदवार की आंखों की सामान्य परीक्षा की जायेगी। यदि उम्मीदवार की आंखों, पलकों अथवा साथ लाली संरक्षनाओं (कार्टिंगुअस्ट स्ट्रैक्चर्स) का कोई देसा रोग हो जो उसे अब या आगे किसी समय सेवा के लिये अपेक्षय बना सकता हो, तो उसको अस्वीकृत कर दिया जायेगा।

(ii) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्युइटी) :—दृष्टि की तीक्ष्णता का निर्धारण करने के लिये दो तरह की जांच की जायेगी। एक दूर की नजर के लिये और दूसरी नज़ीकी की नजर के लिये। प्रत्येक आंख की अलग-अलग परीक्षा की जायेगी।

जर्मे के बिना आंख की नजर (नेकेड आई विजन) को कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक भाग में मैटिकल बोर्ड या अन्य मैटिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जायेगा जबकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल-सूचना (वैसिक इन्फारमेशन) मिल जाएगी।

उम्मीदवार की उपकरण, से परीक्षा की जायेगी और उसकी जुड़ी सुनीक्षणता रेल बोर्ड की विकिसा अधिकारियों की स्थाई सलाहकार समिति द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार की जायेगी।

व्यापार दें:—सीधे निर्धारित अपेक्षाओं के स्तर को, जो उम्मीदवार पूरा नहीं करते, उन्हें नियुक्ति हेतु स्वीकार नहीं किया जायेगा।

जर्मे के साथ और जर्मे के बिना दृष्टि सुनीक्षण का मानक निम्नलिखित होगा:—

दूर की दृष्टि		निकट की दृष्टि	
आंख	खराब आंख	आंख	खराब आंख
35 वर्ष से कम	6/6	6/12	
आयु वाले उम्मीदवारों के लिये	अथवा	अथवा	जे० I
	6/9	6/9	जे० I

नोट (1)

(क) मायोपिया (सिलेंडर सहित) कुल—4.00 डी० से अधिक मही होना चाहिये।

(ब) हाइपरमेट्रोपिया (सिलेंडर सहित) कुल+4.00 डी० से अधिक नहीं होना चाहिये।

(ग) मायोपिया फॉक्स के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिये, और उसका परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिये। यदि उम्मीदवार को ऐसी रोगात्मक वज्ञा हो, जो कि बढ़ सकती है, और उम्मीदवार की कार्य कुशलता पर प्रभाव डाल सकती है, तो उसे अपेक्षय घोषित किया जाये।

नोट (2):

कलर विजन:

कलर विजन की जांच जरूरी है और समस्त उम्मीदवारों के सम्बन्ध में परिणाम सामान्य होना चाहिये, लाल संकेत, हरे संकेत और सफेद रंग की आसानी से और हिचकिचाहट के बिना पहचान कर लेना संतोषजनक कलर विजन है। कलर विजन जांच के लिये इशिहरा की प्लेटों और एप्रिज ग्रीन जैसी दोनों दैडने का प्रयोग होगा।

नोट दो वी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) द्रेडों में होना चाहिये तो दैडने में एपर्चर के आकार पर निर्भर होगा।

द्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की		
दूरी	16 फीट	16 फीट
2. द्वारक (एपर्चर) का आकार	1.3 मि० मीटर	1.3 मि० मीटर
3. उद्भासन काल	5 सेकेंड	5 सेकेंड

स्पेशल क्लास अप्रेंटिसेज के लिये रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर द्रेड आवश्यक है।

नोट (3)

दृष्टि थोक (फील्ड आफ विजन):—सभी सेवाओं के लिये सम्मुखत विधि कन्ट्रोलेन मध्य द्वारा दृष्टि थोक की जांच की जायेगी। यदि ऐसी जांच का नतीजा असत्तोज्जेतक या संविध तो तब दृष्टि थोक को परियापी (पैरीमोटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिये।

नोट (4)

रत्नांशी (नाइट ब्लॉकर्डनेस):—केवल विशेष मामलों को छोड़कर रत्नांशी की जांच नेमी रूप से जल्दी नहीं है। रत्नांशी में दिखाई न देने की जांच करने के लिये कोई स्टैंडेंड टेस्ट निषिक्त नहीं है। मैटिकल थोर्ड को ही ऐसे काम चलाऊ टेस्ट कर लेने चाहिये जैसे रोशनी कम करके या उम्मीदवार को अधेरे कमरे में लाकर 20 से 30 मिनट के बाद उससे विधिय जीर्णों की पहचान करता कर दृष्टि तीक्ष्णता रिकार्ड करना। उम्मीदवारों के कहने पर ही हमेशा विष्वास नहीं करना चाहिये, किन्तु उन पर उचित विचार किया जाना चाहिये।

नोट (5)

दृष्टि की तीक्ष्णता से भिन्न आंख की दशाएँ (आक्युलर इक्सीशन्स)

(क) आंख की वर्ग सम्बन्धी बीमारी को या बढ़ती हुई अपवर्तन दृष्टि (रिकोकिंग ऐरर) को, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो, अपेक्षय का कारण समझा जाना चाहिये।

(ख) भैंगापन:—जहाँ दोनों आंखों की दृष्टि का होना जरूरी है भैंगापन अपेक्षय का माना जायेगा चाहे दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की ही क्यों न हो।

(ग) एक आंख वाला व्यक्ति:—एक आंख वाला व्यक्ति नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

नोट (6)

कान्टेक्ट लेन्स:—विकिना परीक्षा के दौरान उम्मीदवार को कान्टेक्ट लेन्स प्रयोग करने की ग्रन्तियां नहीं दी जानी चाहिए। यह प्रावश्यक है कि आंख का परीक्षण करने समय दूर की दृष्टि के लिए डाइप अश्वरों की प्रदीप्ति 15 फुट ईन्डिल की प्रदीप्ति जैसी ही है। विशेष परिस्थितियों में किसी उम्मीदवार के सम्बन्ध में किसी भी शर्त को शिखित करने की छूट सरकार को है।

7. रक्त दाढ़ (ब्लड ब्रैशर) —

ब्लड ब्रैशर के संबंध में बोर्ड प्रयोग निर्णय से काम लेगा। नार्मल मेक्जीम सिस्टालिक ब्रैशर के आकार की काम चलाऊ विधि निम्न प्रकार है:—

(i) 15 से 25 वर्ष की युवा व्यक्तियों में ग्रोसत ब्लड ब्रैशर लगभग 100+मालू होता है।

(ii) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड ब्रैशर के आकार में 110+आधी आयु का सामान्य नियम बिल्कुल संतोषजनक रिखाई पड़ता है।

व्याप दें:—सामान्य निमत्र के रूप में 140 एम० एम० के ऊपर सिस्टालिक प्रेशर और 90 एम० एम० से ऊपर डायस्टालिक प्रेशर को संविग्रह मान लेना चाहिए और उम्मीदवार को अधिकार्य या योग्य ठहराने के संबंध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए कि अबराहूट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या इसका कारण कोई कार्यिक (शैमोनिक) बीमारी है। ऐसे सभी मामलों में दृश्य का एक्सरे और इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफी जांच और रक्त यूरिया निकाय (बिलयरेंस) की जांच भी नेमी तौर पर की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मैडिकल बोर्ड ही करेगा।

#### ब्लड प्रेशर (रक्त दाव) लेने का तरीका:—

निमत्र: पारे बाले दावभागी (मर्फीटी मैनोमीटर किस्म का उपकरण (इस्ट्रॉमेट) इस्टेमाल करता चाहिए। किसी किस्म के व्यायाम या अबराहूट के बाव प्रन्दह मिनट तक रक्त दाव नहीं आना चाहिए। रोगी बैठा या नेटा हो बैठते कि वह और विशेषकर उसकी बाह्य शिथिल और भाराम से हो। बाह्य थोकी बहुत होरिंज्टल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर ही तथा उसके कन्द्रे से कपड़ा उतार देने चाहिए। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की खड़ को भुजा के अन्वर की ओर रख कर और उसके निचले किनारे को कोक्षनी के मोड़ से एक या दो हड्डी ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को कंकाकर समान रूप से लपेटना चाहिए ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर बाहु घमनी (ब्रेक्युल मार्डरी) को बाबा-दाव कर हूँडा आता है और तब इसके ऊपर बीचों बीच स्टेट्पस्लोप को हूँके से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम० एम० एच० जी० हवा भरी रहती है और इसके बाहु हूँकमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है। हूँकी अधिक छ्वनियां सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्टालिक प्रेशर दरसाता है, जब और हवा निकाली जाएगी तो और तेज छ्वनियां सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली छ्वनिया हूँकी दशी हुई सी लुप्त प्रायः हो जाए यह डायस्टालिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ने लेना चाहिए क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिये क्षीभकारी होता है और इससे रीडिंग गलत होती है। यदि बोबारा पड़ताल करनी जल्दी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाए। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निषित स्तर पर छ्वनियां सुनाई पड़ती हैं; दाव गिरने पर ये गायब हो जाती हैं तथा निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं। इस “साइलेंट गेप” से रीडिंग में गलती हो सकती है।)

8. परीक्षक की उपस्थिति में किये गये भूत की ही परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। जब मैडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के भूत में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता लेने तो बोर्ड इसके सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के द्वितीय चिन्ह और लक्षणों को भी विशेष रूप से खोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसुरिया) के सिवाय, अपेक्षित मैडिकल फिटनेस के स्टैडर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिटनेस घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मेह मधुमेही (नान डायबेटिक) है और बोर्ड इस केस को मैडिसन के किसी ऐसे निर्दिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों। मैडिकल विशेषज्ञ स्टैडर्ड ब्लड गुगर डालरेंस टैस्ट समेत जो भी क्लिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा, करेगा और प्रयोगी रिपोर्ट मैडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मैडिकल बोर्ड की “फिट” “प्रानफिट” की अंतिम राय प्राधारित होगी। इसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिये बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औपचार्य के प्रभाव को समाप्त करने के लिये यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देखरेख में रखा जाए।

9. यदि जांच के परिणाम स्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हूँते या उससे प्राथिक समय की गर्भवती पाई जाती है तो उसको अस्थाई रूप से तब तक प्रस्तुत घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रवत्त पूरा न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड चिकित्सा अधिकारी का स्वस्थ-प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रदूषी की तारोंग के 6 हूँते बाद आरोग्य-प्रमाण-पत्र के लिये उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

#### 10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों पर ध्यान दिया जाना चाहिए :

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अण्ठी सुनाई पड़ता है और उसके कान में बीमारी का कोई चिन्ह नहीं है। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शास्य क्रिया (आपरेशन) या हिपरिंग ऐड के इस्टेमाल से हो सकते हैं तो उम्मीदवार को इस आधार पर अधिकार घोषित नहीं किया जा सकता बगते कि कान की बीमारी बढ़ाने वाली न हो यह उपबंध भारतीय रेल भड़ार सेवा के श्रलावा अन्य रेल सेवाओं, सेना इंजीनियरी सेवा, तार इंजीनियरी सेवा युप ‘क’, तार यातायात सेवा युप ‘ख’, केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा युप ‘क’ और केन्द्रीय बैचुत इंजीनियरी सेवा युप पर लग्या नहीं है। चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिये इस संबंध में निम्नलिखित मार्ग दर्शक जानकारी दी जाती है —

(i) एक कान में प्रकट अयवा पूर्ण बहरा-पन, दूसरा कान सामान्य लगेगा।

(ii) दोनों कानों में खराबापन का प्रत्यक्ष बाधा, जिनमें अव्याप्त यत्र (हिपरिंग ऐड) द्वारा कुछ तुरार नहीं हो।

(iii) सैन्यन अव्याप्त मार्जिन टाइप के टिम्पोरिक बेम्बरेन का छिप्र। कार्ग पट्ट का कोई छिप्र ठीक न हो तो अधिकार घोषित के लिये आयोग्य।

(iv) कान के एक और दोनों और से मस्टाइड कैविटो से सबनार्थन अव्याप्त। सेनेशल ब्लास्ट मैट्रेटिसेज के गदों के लिए अधिकार।

(v) बहने रहने वाला कान आपरेशन किया गया बिना आपरेशन किया गया। तकनीकी और गैर तकनीकी पदा : नियंत्रित अस्थायी रूप से आयोग्य।

(vi) नामायुक्त की हूँडी संबंधी विशिष्टामां (जोनी डिफिमिटी) सहित अव्याप्त उपरोक्त नाक की जीर्णी। (i) प्रत्येक मामले की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जाएगा।

(ii) यदि लक्षणों सहित नासापट अक्सरण विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अधिकार।

(vii) टामिल्स और/प्रथवा स्वर यंत्र (नेरिक्षम) की जीर्णी प्रवाहक दशा-योग्य।

(viii) कान/नाक/गने (ई० एन० टी०) (i) टामिल और/प्रथवा स्वर यंत्र की जीर्णी प्रवाहक दशा-योग्य।

(ii) यदि आवाज में अस्थिक कर्कणता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अधिकार।

(ix) कान/नाक/गने (ई० एन० टी०) (i) हूँकाट्यूमर—अस्थायी रूप से अधिकार।

(ii) बुदंस द्युमर अयोग्य अव्याप्त यत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद 30 देसीवेल अव्याप्ता के अन्दर होने पर योग्य।

(ix) प्रास्टोकिलरोसिम

(x) कान, माक आदि गर्भ के जन्मजात शोष। (i) यदि काम-काज में बाधक न हो तो योग्य। (ii) भारी मात्रा में हकलाहट हो तो आयोग्य।

(xi) नेजल पोली (ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो। (ग) उसके बांत अच्छी हालत में है या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिये जरूरी होने पर नकली बांत लगे हैं या नहीं। (अच्छी तरह भरे हुए टांतों को ठीक समझा जाएगा)।

(घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका विल या फेफड़े ठीक है या नहीं।

(ङ) उसे बेट की कोई बीमारी है या नहीं।

(च) उसे रपचर है या नहीं।

(छ) उसे हाईट्रोसील, बड़ी हुई बेरिकोसिल, बेरिकाजगिरा (बेन) या बवासीर है या नहीं।

(ज) उसके प्राणों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छी है या नहीं और उसकी ग्रन्थियां भली भांसि स्वतन्त्र रूप से हिलती हैं या नहीं।

(झ) उसे कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं।

(ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं।

(ट) उसमें किसी उम्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिनसे कमजोर गठन का पता लगे।

(ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।

(ঠ) उसे कोई संचारी (कम्युनिकेशन) रोग है या नहीं।

11. विल और फेफड़ों की किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिए साधारण शारीरिक परीक्षा से जात न हो, उसी मामलों में नेहीं रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिए।

जब कोई रोग मिले तो उसे प्रमाण पत्र में अवश्य ही नोट किया जाए। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण इटूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

टिप्पणी:—उम्मीदवारों की बेतावनी दी जाती है कि उक्त सेवा के लिए उनकी स्तर्यता निर्धारित करने हेतु नियुक्त चिकित्सा बोर्ड—आहे बोर्ड विशेष ही या स्थायी ही—के विशेष अपील करने का अधिकार नहीं है। किन्तु फिर भी यदि सरकार पहले बोर्ड के निर्णय में गलती की संभावना के विषय में प्रमाण प्रस्तुत कर दिए जाने पर सन्तुष्ट हो जाती है तो वह सरकार की इच्छा पर हीगा कि वह दूसरे बोर्ड के सामने अपील भी इजाजत दे। इस प्रकार का प्रमाण जिस पत्र में उम्मीदवार को पहले चिकित्सा बोर्ड का निर्णय सुनित किया गया है उसकी तारीख के एक मास के अन्दर प्रस्तुत कर दिया जाना चाहिए अथवा दूसरे चिकित्सा बोर्ड की अपील करने के किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

यदि किसी उम्मीदवार द्वारा पहले बोर्ड के विनिश्चय में निर्णय संबंधी कुटि की संभावना से सम्बद्ध प्रमाण के रूप में कोई चिकित्सा प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया जाता है तो उस प्रमाण-पत्र पर तब तक कोई ध्यान नहीं दिया जाएगा जब तक उसमें सम्बद्ध चिकित्सा व्यवसायी की इस आशय की टिप्पणी अंकित न हो कि यह टिप्पणी इस तथ्य को पूरी तरह जानते हुए अंकित की गई है कि उक्त उम्मीदवार चिकित्सा बोर्ड द्वारा सेवा हेतु अयोग्य पाए जाने पर अस्वीकृत कर दिया गया है।

मेडिकल बोर्ड और उनकी रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है:—

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टेंडर्ड में संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवा काल (यदि हो) के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पञ्चक सर्विस में भर्ती के लिए योग्य नहीं समझा जाएगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपाइटिंग अथारिटी) को यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाइडी-इनफर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिए अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्राप्त भविष्य से भी उतना ही संबद्ध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरस्तर कारणर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अकाल मुख्य होने पर समय पूर्व वेंगन या अवशयिताओं को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाए कि जहां प्रस्त केवल निरस्तर कारणर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हालत में नहीं भी जानी चाहिए जब कि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरस्तर कारणर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी लेनी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोगित किया जाएगा।

डाक्टरी बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किए जाने के आधार नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा उम्मीदवार को बताए जा सकते हैं। किन्तु डाक्टरी बोर्ड ने जो खराबी बतायी हो उनका विस्तृत व्यौरा नहीं दिया जा सकता।

7. ऐसे मामलों में जहां डाक्टरी बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी भौंटी खराबी चिकित्सा (औषध या शस्य) द्वारा दूर हो सकती है वहां डाक्टरी बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सुचित किए जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाए तो दूसरे डाक्टरी बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतन्त्र है।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार भो निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देना चाहिए और उनके साथ लगी हुई घोषणा (चिक्सेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे विए गए नोट में उल्लिखित बेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए।

1. अपना पूरा नाम लिखें—

[(माफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बतायें.....

3. (क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली, असमिया, जंगी जातियों नागालैण्ड आदिमजाति आदि में से किसी से संबंधित हैं जिसका औसत कर दूसरों से कम होता है “ह” या “नहीं” में उत्तर दीजिए। उत्तर “हाँ” में हो सो उस जाति का नाम बताइए।

4. (क) क्या आपको कभी चेचक, रुक-रुक कर होने वाला या कोई हूमरा बुखार, ग्रंथियां (ख्वाइस) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, पूरे में थून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौरे, रमेटिंग, एंपेडिसाइटिस हआ है?

(ब) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शम्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हूँह है?

5. आप को लेकर का टीका आवधि बार कब लगा था?

6. क्या आप या आपका कोई निकट का संबंधी कभी कानूनी सीरोफला गाउड, दमा, दौरे, अपस्मार या पागलपन का शिकार हुआ है?

7. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किसम की अधीरता (नर्वसेस) हुई?

8. अपने परिवार के संबंध में निम्नलिखित ब्यौरे दें:—

यदि पिता जीवित हो तो उसकी अवस्था	मृत्यु के समय हो तो उसकी अवस्था	आपके कितने आई आपके जीवित हो, उनकी भाइयों की मृत्यु और स्वास्थ्य और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाइयों की मृत्यु हो चुकी है मृत्यु की अवस्था के समय उनकी आयु और मृत्यु का कारण
----------------------------------	---------------------------------	---	---

यदि माता जीवित हो तो उसकी अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी आपकी जीवित होने जीवित हो और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी आपकी जीवित होने जीवित हो और मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु का कारण
----------------------------------	--	---	--

9. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है?

10. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर हाँ में हो तो बताइए किस सेवा/किन सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी।

11. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था?

12. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ?

13. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अपवाह आपको मालूम हो

मैं व्यापित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, ऊपर विए गए सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर —————  
मेरे सामने हस्ताक्षर किए —————  
बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर —————

नोट:—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार के जिम्मेदार होगा।  
जानबूझ कर किसी सूचना को लिपाने से बहु नियुक्त खो बैठने की जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी आए तो वार्डिनरी निवृत्ति भत्ता (सूपरएनुएशन अलार्स) या उपदान (ऐच्यूटी) के सभी दारों से हाय्पो थ्रीटिंग।

(ब) \_\_\_\_\_ (उम्मीदवार का नाम) की प्रारंभिक परीक्षा करने पर मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1. सामान्य विकास: अच्छा ————— बीच का ————— कम पोषण: पतला ————— (औसत) —————

मोटा ————— कद: (जूते उतारकर) ————— बजन अत्युत्तम बजन ————— कब था? ————— बजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन —————

तापमान ————— छाती का बेर ————— (i) पूरा सास खीचने पर —————

(ii) पूरा सास खीचने पर —————

2. त्वचा—कोई जाहिरा बीमारी —————

3. नेत्र:—

(1) कोई बीमारी —————  
(2) रत्नांशी —————  
(3) कलर विजन का दोष —————  
(4) दृष्टि ओल (फील्ड आफ विजन) —————  
(5) दृष्टि सीहणता (विजुअल एक्जीटी) —————  
(6) फॉस की जांच —————

दृष्टि की तीरणता वर्षमें के बिना वर्षमें से वर्षमें की पावर स्ट्री० सिलि एक्सिस

दूर की नजर दा० ने० दा० ने०

पास की नजर दा० ने० दा० ने०

हाइपरबैट्रोपिया दा० ने० दा० ने०

(व्यक्ति) 4. कान: निरीक्षण ————— मुनना ————— दाया कान

5. ग्रंथियाँ ————— थाइराइड

6. दातों की हालत —————

7. एवसन तंत्र (रासपरेटरी सिस्टम):— क्या प्रारंभिक परीक्षा करने पर सांस के अंगों में किसी अपसामान्यता का पता लगा है? यदि पता लगा है तो पूरा व्यौरा दें।

8. परिसंचरण तंत्र (सर्क्युलिटरी सिस्टम)

(क) हृदय: कोई आणिक विकास (आर्टिनिक लीजन) ————— गति (रेट):

जड़े होने पर —————

25 बार कुचाए जाने के बाद —————

कुदाए जाने के 2 मिनट बाद —————

ब्लड प्रैशर ————— सिस्टालिक

डायस्टालिक

9. उदर (पेट) धेरा ————— स्पर्श सहायता

हानिया —————

(क) दबाकर मालूम पड़ना/जिगर

तिल्ली ————— गुद्दे

ट्र्यूमर

(ख) रक्तार्थ ————— गंगादर

10. तंत्रिका तंत्र (नर्व गिस्टम) तंत्रिका या मानसिक अपसामान्यता का संकेत:

11. आप तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम):

कोई अपसामान्यता:

12. जनन मूत्र तंत्र (जेनिटी मूरिनरी सिस्टम) ————— हाइड्रोसील, बैरिकोसील आदि का कोई संकेत:

मूत्र परीक्षा:

(क) कैसा दिखाई देता है?

(ख) अपेक्षित गुणत्व (स्पेसिफिक मेविटी)

(ग) एल्बमीन

(घ) शक्कर

(इ) कास्ट्रस

(च) कोशिकाए (सेल्स)

13. छाती की एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्ट
14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा की इयूटी को वक्तावृत्ति के निमाने के लिए अयोग्य हो सकता है?

नोट:—महिला उम्मीदवार के मामले में, यदि वह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह अधिक उससे अधिक समय से गम्भीर है तो उसे अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, देखें बिनियम 9।

15. उम्मीदवार परीक्षा कर लिए जाने के बाद किन सेवाओं में कार्य के वक्त तथा सतत निष्पादन हेतु सभी प्रकार से योग्य पाया गया है और किन सेवाओं के लिए वह अयोग्य पाया गया है।

स्थान	तारीख	अध्यक्ष	सदस्य
-------	-------	---------	-------

### परिशिष्ट III

इस परीक्षा के आधार पर चुने गए स्पेशल क्लास अप्रैटिसिंस हेतु

अप्रैटिसिंशिप की शर्तें

अप्रैटिसिंशिप की शर्तों का उल्लेख इंडियन रेलवे एस्ट्रेविलिशमेंट मेन्युअल में निर्धारित करार-पन्न में कर दिया जाएगा। इसका संक्षिप्त व्यौहा निम्न प्रकार है:—

1. स्पेशल क्लास अप्रैटिस के रूप में नियुक्त हेतु चुना गया उम्मीदवार इस आशय का एक करारनामा भरेगा कि केन्द्रीय सरकार की सन्तुष्टि के अनुरूप प्रशिक्षण पूरा करने में असफल रहने पर जो धन उसे अप्रैटिस के रूप में नियुक्त होने पर दिया गया है उसको लौटाने के लिए वह तथा उसका एक प्रतिशूल संयुक्त रूप में तथा पृथक-पृथक रूप में बाध्य होगे।

अप्रैटिस की शुरू में एक चार वर्षीय प्रायोगिक तथा सैद्धांतिक प्रशिक्षण इस आशय के बाध्यक अनुबन्ध पत्र के अन्तर्गत लेना होगा कि यदि जरूरत पड़ी तो उन्हें प्रशिक्षण पूरा होने पर भारतीय रेल में सेवा करनी पड़ेगी। उसकी अप्रैटिसिंशिप एक वर्ष के बावजूद इसके बावजूद रेलवे वर्ष तभी चालू रखी जाएगी जब जिस अधिकारी के अधीन वह कार्य कर रहा है उससे संतोषजनक रिपोर्ट मिल जाती है। अप्रैटिसिंशिप के दौरान यदि किसी समय वह अपने वरिष्ठ प्रशिक्षिकारी को इस बारे में रातुण्ट नहीं करता है कि वह श्रृंखली प्रगति कर रहा है या तो उसे अप्रैटिसिंशिप से अलग कर दिया जाएगा।

टिप्पणी—भारत सरकार अपनी विवाद पर प्रशिक्षण की प्रवधि तथा कोई भी वर्षीय परिवर्तन या संशोधन कर सकते हैं।

2. अप्रैटिसिंशिप के चार वर्ष तक उपर्युक्त प्रायोगिक तथा सैद्धांतिक प्रशिक्षण किसी रेलवे वर्कशाप में दिया जाएगा। स्पेशल क्लास अप्रैटिसिंस को इस अवधि के दौरान या तो कांउसिल आफ इंजीनियरिंग इन्स्टीट्यूशन्स एज्जामिनेशन (लन्दन) का भाग 1 और 2 या इन्स्टीट्यूशन आफ इंजीनियर्स (इंडिया) एज्जामिनेशन की एसोशिएट मेस्क्वरशिप का सेक्शन 'ए' और 'बी' अवध्य पास करना चाहिए। अप्रैटिसिंस को पहले और दूसरे वर्षों के दौरान 350/- रु ४० मार्ग डाकबूलि तथा तीसरे और चौथे वर्षों के दौरान 400/- रु ४० मार्ग डाकबूलि प्रदान की जाएगी। अप्रैटिसिंशिप के दौरान उम्मीदवारों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों प्रकार का प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। इसमें कुल छ: सिमस्टर परीक्षाएं होंगी, जिनमें से प्रत्येक को उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा। यदि वे किसी परीक्षा में असफल रहते हैं तो उसके निष्पादन को वेखते हुए उन्हें पूरक परीक्षा में बैठने और उसमें उत्तीर्ण होने या अगले निज्मे बैच में चंचे जाने को या अप्रैटिसिंशिप से हट जाने को कहा जाएगा।

टिप्पणी—सिवाय जैसा कि नीचे पेरायाक 4 में व्यक्तस्था है या वह अनधीनता असंयम या अन्य कदाचार का दोषी पाया जाता है, या कोई करार

होग कर दिया जाता है, अप्रैटिसिंशिप से हटाने के लिए एक सप्ताह का नोटिस दिया जाएगा।

3. उपर्युक्त पैरा 2 में निर्धारित प्रशिक्षण का छोटा वर्ष पूरा होने से पहले अप्रैटिसिंस की एक सूची लो गई परीक्षा या अप्रैटिसिंशिप की अवधि के दौरान प्राप्त रिपोर्टों के प्राप्ति पर योग्यता कम में तैयार की जाएगी। सफल अप्रैटिसिंशिप यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में तीन वर्ष की परीक्षा पर नियुक्त किए जायेंगे।

ध्यान दें—किसी भी प्रशिक्षण को अहंक स्तर की योग्यता से यूक्त तभी माना जाएगा जब उसकी प्रशिक्षण की छाती समेस्टर परीक्षाओं की अवधि में संचालित सभी परीक्षाओं में उसको कुल मिलाकर कम से कम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त हों जिसमें भारतीय रेलवे यांत्रिकी व बैचुत इंजीनियरी संस्थान, जमालपुर के प्रशान्ताचार्य तथा उप मुख्य यांत्रिकी इंजीनियर के प्रतिवेदनों में प्राप्त अंक भी शामिल होंगे। यह भी जरूरी है कि छह सिमेस्टर परीक्षाओं की इस प्रवधि में प्रत्येक वर्ष कुल मिलाकर कम से कम 45 प्रतिशत और प्रत्येक विवरण में कम से कम 40 प्रतिशत अंक प्राप्त हों।

4. असफल प्रशिक्षणों को, एक महीना पहले यह सूचना देकर कि उनकी प्रशिक्षुता असफल रही, प्रशिक्षुता से निवाचित कर दिया जाएगा।

5. अप्रैटिसिंशिप के चार वर्ष सप्ताहापूर्वक पूरे करने के बाद परिशिष्ट IV में नीचे पैरा 1 के परन्तुक की शर्तों के अनुसार अप्रैटिसिंस को यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में परिवीक्षा पर नियुक्त किया जाएगा। यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा के प्रशिक्षिकारियों के बेतन एवं सेवा की सामान्य शर्तों के विवरण परिशिष्ट IV में दिए गए हैं।

### परिशिष्ट IV

यांत्रिकी इंजीनियरों का भारतीय रेलवे सेवा से सम्बन्धित विवरण

1. परिवीक्षा की अवधि तीन वर्ष होगी। परिवीक्षकों के रूप में नियुक्त प्रौद्योगिक वर्कशाप (क) अप्रैटिसिंशिप की 4 वर्ष की प्रवधि के समाप्त होने की तारीख से या (ख) प्रशिक्षण के पूरा करने की वास्तविक तारीख से, जो भी बाद की हो, माना जाएगा।

किन्तु यह यह है कि उन स्पेशल क्लास अप्रैटिसेज का, जो अपने अप्रैटिसिंशिप के 4 वर्षों के भीतर ए० एम० आई० ई० (लन्दन) के भाग I और II ए० एम० आई० ई० (इंडिया) के भाग ए० और बी० परीक्षा उत्तीर्ण नहीं कर पायेंगे तो उन्हें केवल उसी तारीख से परिवीक्षकों के पद पर नियुक्त किया जाएगा जिससे वे इन परीक्षाओं में से किसी एक में पूर्ण रूप से सफल होंगे।

नोट: (i) परिवीक्षकों को सेवा में बनाए रखने और उनको वार्षिक बेतन वृद्धियों स्थीरत करने के बारे में तब ही विचार किया जाएगा जब तक कि उनके कार्य के सम्बन्ध में वर्ष के अन्त में सन्तोषजनक रिपोर्ट प्राप्त हो जाए।

(ii) किसी भी और से तीन मास का नोटिस दिए जाने पर परिवीक्षकों की सेवायें समाप्त की जा सकती हैं।

2. परिवीक्षा के प्रथम और द्वितीय वर्षों में उनको एक या अपने अप्रैटिसिंशिप के केन्द्रों में प्रशिक्षण के लिए भेजा जाएगा जिसके लिए एक निर्धारित पाठ्यक्रम होगा और यह समय पर संशोधित भी हो सकती है। परिवीक्षाधीन प्रशिक्षिकारियों को कार्य समय से बावजूद किसी प्राविधिक महाविद्यालय में या इंजीनियरी विवरणों पर विशिष्ट भाषण सुनने के लिए भेजा जा सकता है। प्रशिक्षण की इस दो वर्ष की प्रशिक्षण की प्रयोग दशा के बावजूद होगी और दो साल पूरा होने के बावजूद प्रशिक्षण में परिवीक्षकों को नियुक्त होती है, वहाँ के सुख्य यांत्रिकी प्रशिक्षण भी जिस रेलवे में परिवीक्षक की नियुक्त होती है, वहाँ के सुख्य परिवालक अधीक्षक द्वारा समिलित रूप से आयोजित होगी। इसमें भर्ता प्राप्त करने के लिए 50 प्रतिशत अंक प्राप्त करने होंगे।

3. परिवीक्षा की प्रवधि में उनको रेलवे कर्मचारी महाविद्यालय, बड़ीवा में एक निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा और महाविद्यालय के द्वारा प्रायोजित परीक्षा में उत्तीर्ण भी होना होगा। महाविद्यालय की यह परीक्षा प्रतिवार्षीय होगी और इसमें बुधारा बैठने की अनुमति सामान्यतः नहीं की जाएगी जब तक कुछ मापदण्डिक परिस्थितियाँ न हों और प्रशिक्षिकारियों का कार्य लेख इस प्रकार की छूट को उपयुक्त प्रमाणित न करें। परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर

सेवा समाप्त की जा सकती है और किसी भी हालत में जब तक वे परिवेश में उत्तीर्ण न हों, उनका स्थानीकरण नहीं हो सकेगा और प्रशिक्षण और/या परिवेशीका भवित्व यथावत्यक बढ़ा दी जाएगी परिवेशीका की भवित्व के दो वर्ष पूरा होने के पहले उनको एक विभागीय परीक्षा में भी बैठना होगा जिसके विषय होगे—सेवा और प्राक्कलन, सामान्य और भासुर्विज्ञिन नियम, कारखाना अधिनियम, कारीगर प्रतिपूर्वित अधिनियम, अभिकों से काम करने का कौशल तथा परिवेशीका की भवित्व में प्रत्येक अधिकारी को सौंपे गए कार्य या कार्यों में उनकी अनुप्रयुक्तता। उनकी इस विभागीय परीक्षा में परिवेशीका के दूसरे साल के अन्दर अन्दर उत्तीर्ण होना पड़ेगा। इस परीक्षा में उत्तीर्ण न होने पर सेवा समाप्त की जा सकती है और किसी भी हालत में उनकी बेतन वृद्धि देखा दी जाती है। निश्चित भवित्व के अन्दर किसी या सभी विभागीय परीक्षा या परीक्षाओं में उत्तीर्ण न होने के कारण जब परिवेशीका की भवित्व बढ़ानी पड़ती है, उस दशा में विभागीय परीक्षाओं में उत्तीर्ण होने और बढ़ाई गई परिवेशीका भवित्व के बाब स्थायी बनाए जाएं पर पहली और उसके बाद की बेतनवृद्धियों की प्राप्ति समय समय पर व्यवहार नियमों और भासेशों के अनुसार नियतित होगी। इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि परीक्षा में दूसरी बार बैठने की अनुमति नियमानुसार नहीं दी जाती है जब तक कि कुछ आपाविक परिस्थितियां न हों और प्रशिक्षण की अवधि में उम्मीदवार का कार्य-नेतृत्व कुछ ऐसा न हो कि इस प्रकार की छूट उपयुक्त भासुम पड़े।

**घान वे:**—सरकार, हमने नियंत्रण से, किसी भी कार्यसारी पद की प्रशिक्षण-भवित्व और परिवेशीका-भवित्व में परिवर्तन कर सकती है। अगर किसी सामग्री में प्रशिक्षण के सफलतापूर्वक समाप्त न होने पर प्रशिक्षण की भवित्व बढ़ा दी जाती है तो तबनुसार परिवेशीका की समस्त भवित्व बढ़ाई जाती है।

4. परिवेशीकाधीन अधिकारियों की देवनागरी लिपि में हिन्दी को किसी अनुमोदित स्तर की परीक्षा में पहले से ही उत्तीर्ण होना चाहिए या परिवेशीका भवित्व में उत्तीर्ण होना चाहिए। यह परीक्षा शिक्षा निवेशक, विद्युती के द्वारा प्रायोजित हिन्दी प्रवीण या केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त और कोई समकक्ष परीक्षा नहीं दी जा सकती है।

जब तक कोई परिवेशीकाधीन अधिकारी इस प्रपेक्षा की पूर्ति नहीं करता है तब तक उसको न स्थायी किया जा सकता है और न उसका बेतन सामयिक बेतनमान में ₹ 780.00 प्रतिमास तक बढ़ाया जा सकता है। अगर इस प्रपेक्षा की पूर्ति नहीं कर पाता है तो उसकी सेवा समाप्त की जा सकती है। कोई छूट नहीं दी जा सकती।

5. यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेलवे सेवा में नियुक्त किसी भी व्यक्ति को, प्रपेक्षित होने पर, किसी रक्षा सेवा में या भारतीय रक्षा से सम्बन्धित किसी पद, पर कम से कम चार वर्ष की भवित्व तक काम करना होगा। अगर कोई प्रशिक्षण हो, तो इसमें उस प्रशिक्षण की अवधि भी शामिल है।

**परन्तु उस व्यक्ति को—**

(क) परिवेशीकाधीन अधिकारी के रूप में नियुक्त होने की तारीख से दस वर्ष समाप्त होने पर उपर्युक्त पद पर काम करने की आवश्यकता नहीं होती।

(ख) सामान्यतः 40 वर्ष की प्रायः पूरी हो जाने पर पूर्वोक्त सेवा नहीं करती पड़ेगी।

6. यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा के अधिकारी—

(क) पेशन लाभ के पात्र होंगे और।

(ख) राज्य रेलवे गैर अंशवाली भविष्य तिथि में उत्तर नियम के नियमों के प्रत्यंगत अन्वादन करेंगे।

जैसा कि उन रेलवे कर्मचारियों पर जो अपनी नियुक्ति के दिन कार्य-भार प्राप्त करते हैं, लागू है।

7. परिवेशीकाधीन अधिकारी के रूप में सेवा शुरू करने की तारीख से बेतन शुरू हो जाएगा। उपर्युक्त वैरा 3 के अधीन बेतनवृद्धि हेतु सेवा भी उसी दिन से जिनी जाएगी। बेतन भावि का विवरण इस परिशिष्ट के वैरा 10 में उल्लिखित है।

8. इन विनियमों के अधीन भर्ती हुए अधिकारी इस समय लागू नियमों के जो भारतीय रेल के अधिकारियों पर लागू हैं, अनुसार छुट्टी के पात्र होंगे।

9. सामान्यतः अधिकारी दूरी सेवा के लिए, उसी रेल में लगे रहेंगे जहां उनकी पहली नियुक्ति होती है और किसी दूसरी रेल में उन्हें स्थानान्तरण का कोई अधिकार नहीं होगा किन्तु भारत सरकार को मह अधिकार है कि सेवा की अपेक्षाओं को देखते हुए भारत में या बाहर किसी दूसरी रेल में या परियोजना में स्थानान्तरण कर सके। अपेक्षित होने पर अधिकारियों को भारतीय रेल के स्टोर हिपार्टमेंट में सेवा करनी होगी।

10. यांत्रिक इंजीनियरों की भारतीय रेल सेवा में नियुक्त अधिकारियों की इस समय बेतन की निम्न प्रकार दरें ग्राह्य हैं।

**कनिष्ठ बेतनमान :** ₹ 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300

**वरिष्ठ बेतनमान :** ₹ 1100 (छावं या कम)-50-1600

**कनिष्ठ प्रशासनिक प्रेड :** 1500-60-1800-100-2000

**वरिष्ठ प्रशासनिक प्रेड (i) :** ₹ 2250-125/2-2500

(ii) ₹ 2500-125/2-2750

**टिप्पणी 1:**—परिवेशीकाधीन अधिकारियों को शुरू में कनिष्ठ बेतनमान का स्वूतम दिया जाएगा और बेतन वृद्धि के लिए उनकी सेवा कार्यालय की तारीख से गिनी जाएगी। किन्तु इससे पहले कि उक्त समयमान में उनका बेतन ₹ 740.00 ₹ 780.00 से 780.00 प्र० मा० से ₹ 780.00 प्र० मा० तक बढ़ाया जाए उन्हें निर्धारित परीक्षा या परीक्षाएं उत्तीर्ण होती है।

**टिप्पणी 2:**—यदि वे प्रशिक्षण के पहले दो वर्षी और परिवेशीका की अवधि के द्वारा विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण करने में असमर्थ रहते हैं तो ₹ 740.00 से ₹ 780.00 तक की वृद्धि रोक दी जाएगी। जब निर्धारित अवधि के द्वारा सभी विभागीय परीक्षाओं में असकल रहने के कारण प्रशिक्षण अवधि बढ़ानी पड़ी हो तब प्रशिक्षण की बढ़ी हुई अवधि को समाप्ति के प्रस्तावत उनके विभागीय परीक्षा उत्तीर्ण कर लेने पर उनका बेतन जिस तारीख को प्रतितम परीक्षा समाप्त होती है उसके बाद की तारीख से उक्त समयमान में उस अवस्था पर नियम किया जायेगा जो वे अवस्था प्राप्त कर लेंगे। किन्तु उन्हें बेतन का कोई बकाया नहीं दिया जाएगा। ऐसे मामलों में विवरण बेतनवृद्धि की तारीख प्रभावित नहीं होगी।

11. बेतन वृद्धि के बाद अनुमोदित सेवा के लिए और विभागीय नियमों के अनुसार भी जाएगी।

12. प्रशासनिक प्रेडों में प्रोफेशनल संस्कृत स्थापना में रिक्षियां होने पर ही होती हैं और पूरी तरह बेतन पर आधारित होती है। केवल वरिष्ठता प्रोफेशनल कोई अधिकार प्रदान नहीं करती है।

#### परिशिष्ट—V

##### संघ सोसाइटी सेवा आयोग

##### उम्मीदवारों को सूचनार्थी विवरणिका

##### क. वस्तु परक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं, उनको “वस्तुपरक परीक्षण” कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में आपको उत्तर फैलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको आगे प्रश्नांश कहा जाएगा) आपको चुन देना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिवर्तन न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

**३. परीक्षण का स्वरूप**

प्रश्न पत्र “परीक्षण पुस्तिका” के रूप में होते हैं। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3…… के क्रम से प्रश्नांश होते हैं। हर प्रश्नांश के नीचे a, b, c क्रम में साधारित प्रत्युत्तर लिखे होते हैं। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही या यदि एक से अधिक प्रत्युत्तर मही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम प्रत्युत्तर का चुनाव करना होता है। (अत ये दिए गए नमूने के प्रश्नांश देख लें) किसी भी स्थिति में प्रत्येक प्रश्नांश के लिए आपको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होता है। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

**४. उत्तर देने की विधि**

उत्तर देने के लिए आपको अपने से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर पत्रक में लिखने होते हैं। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जाने नहीं जायेंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांशों की संख्याएँ 1 से 200 तक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने a, b, c, d, e के क्रम से प्रत्युत्तर छपे होते हैं। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लेने और यह नियम करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर को वरानि बाले आयात को पैसिल से काला बनाकर उसे अंकित कर देना है जैसा कि संलग्न उत्तर पत्रक के नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्र के आयात को काला बनाने के लिए स्थानी कार्बनिक नहीं करना चाहिए।

1. 

a
---

--

c
---

d
---

e
---
2. 

a
---

b
---

c
---

--

e
---
3. 

--

b
---

c
---

d
---

e
---

आपके उत्तर पत्रक में दिए गए उत्तरों का मूल्यांकन एक मूल्यांकन मशीन से किया जाएगा। जो गलत उत्तर एच० बी० पैसिल के अतिरिक्त दूसरी पैसिल के प्रयोग और विकृत उत्तर पत्रक को पहचानने में बड़ी सुगमी है। इसलिए यह जरूरी है कि प्रश्नांशों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किस्म की एच० बी० पैसिल (पैसिलो) ही लायें और उन्हीं का प्रयोग करें। दूसरी पैसिलों या पैन के द्वारा बनाये गए निशान सभव हैं मशीन से ठीक ठीक न पढ़े जायें।

2. अगर आपने गलत निशान लगाया है तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगायें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबड़ भी लाएं।

3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असाधारी नहीं जिससे वह खराब हो जाए या उसमें मोड़ व सलवट आदि पढ़ जायें और वह टेका हो जाए।

**५. कुछ महत्वपूर्ण नियम**

1. आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पूछता होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।

2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौप दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका परीक्षा भवन से आहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ा दण दिया जाएगा।

5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नम्बर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण-पुस्तिका की क्रम संख्या यहाँ से साफ़-ताफ़ लिखें। उत्तर पत्रक पर आप कहीं भी अपना नाम न लिखें।

6. परीक्षण-पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। जैसे मूल्यांकन मशीन के द्वारा होता है इसलिए सम्भव है कि इन अनुदेशों का सायथानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो जायें। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविधि संविधान है तो उस प्रश्नांश के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के लिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरम्भ या समाप्त करने को कह दें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपने प्रवेश प्रमाण पत्र साथ लायें। आपको अपने साथ एक एच० बी० पैसिल, एक रबड़, एक पैसिल शापन्तर और नीली या काली स्वाक्षी बाली कलम भी सानी होंगी। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा, पैमाना या आरेबाण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नम्बर और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे आपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को पास कर दें।

**६. विषेष अनुदेश**

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक में आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अवैधिक सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण-पुस्तिका देंगे। प्रत्येक परीक्षण-पुस्तिका पर हायिंग में सील लगी होगी जिससे कि परीक्षण शुरू हो जाने के पहले उसे कोई खोल नहीं पाए। जैसे ही आपको परीक्षण-पुस्तिका मिल जाए, तुरन्त आप देख लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है और सील लगी भी है। अन्यथा, उसे बदलवा लें। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के सम्बद्ध बाले में अपनी परीक्षण-पुस्तिका की क्रम संख्या लिखनी होगी। जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका की सील तोड़ने को न करें तब तक आप उसे न सोडें।

**७. कुछ उपयोगी सुझाव**

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अवेशा शुरूता को जांचना है, किंतु आप यह जरूरी है कि आप अपने समय का, दबाव से उपयोग करें। सुनुलन के साथ आप जितनी जल्दी आगे बढ़ सकते हैं, वहीं पर लापरवाही न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हों तो चिन्ता न करें। आप को जो प्रश्न अव्यक्त कर्तित मालूम पहुंच, उन पर समय बचवें न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाहर में बिनार करें।

सभी प्रश्नों के अन्त समान होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दे। आपके द्वारा अंकित मही प्रश्नों की संख्या की आधार पर आपको अंक दिया जायें।

प्रश्न दूसरे दबाव बनाए। जाते हैं कि उनसे आपकी स्पष्टता विवरित की अवेशा, जानकारी सूक्ष्म बूझ और विश्लेषण-क्षमता की परीक्षा हो। आपके लिए यद्य प्राप्तवायक होगा कि आप संगत विषयों को एक बार सरकारी नियमानुसार से देख लें और इस बात से आश्वस्त हो जायें कि आप अपने विषय को अच्छी तरह समझते हैं।

**८. परीक्षण का समाप्त**

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहें आप लिखता बन्द करें। जो उम्मीदवार इस तरह बन्द नहीं करते हैं, वे दब ते भागी होंगे।

जब आपका उत्तर लिखना समाप्त हो जाए तब आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके बहु आकर आपकी परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक न दें जायें और आपको “हाल” छोड़ने की अनुमति न दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक परीक्षा भवन से आहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस नियमों का उल्लंघन करने पर कड़ा दण दिया जाएगा।

## नमूने के प्रण

1. मौर्य वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौनसा उत्तरदायी नहीं है?

- (a) अशोक के उत्तराधिकारी सब के सब रूमज़ोर थे।
- (b) अशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।
- (c) उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली मुक्ति की व्यवस्था नहीं हुई।
- (d) अशोकोत्तर युग में आर्थिक रिक्तता थी।

उत्तर (d)

## 2. संसदीय स्वरूप की सरकार में

- (a) विद्यायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (b) विद्यायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (c) कार्यपालिका विद्यायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (d) न्यायपालिका विद्यायिका के प्रति उत्तरदायी है।
- (e) कार्यपालिका न्याय पालिका के प्रति उत्तरदायी है।

उत्तर (c)

## 3. पाठ्यालाके छात्र के लिए पाठ्येतर कार्य कलाप का मुद्द्य प्रयोजन

- (a) विकास की सुविधा प्रदान करना है।
- (b) अनुशासन की समस्याओं की रोकथाम है।
- (c) नियत काम-कार्य से राहत देना है।
- (d) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल देना है।

उत्तर (a)

## 4. मूर्ति के सबसे निकट प्रह हैं;

(a) शूक्र	(c) बृहस्पति
(b) मंगल	(d) बुध

उत्तर (d)

## 5. बन और बाढ़ के पारस्परिक सम्बन्ध को निम्नलिखित में से कौनसा विवरण स्पष्ट करता है?

- (a) पेढ़ पौधे जितने अधिक होते हैं, मिट्टी का करण, उतना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।
- (b) पेढ़ पौधे जितने कम होते हैं, नदियां उतनी ही गाढ़ से भरी होती हैं जिससे बाढ़ होती है।
- (c) पेढ़ पौधे जितने अधिक होते हैं, नदियां उतनी ही कम गाढ़ से भरी होती हैं, जिससे बाढ़ रोकी जाती है।
- (d) पेढ़ पौधे जितने कम होते हैं उतनी ही धीमी गति से बर्फ पिछल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

उत्तर (c)

## योजना मंत्रालय

## सांख्यकी विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 12 सितम्बर, 1978

सं० एम० 13011/1/78-रा० प्रा० सब-2—सांख्यकी विभाग के दिनांक 31 अगस्त 1978 की अधिसूचना सं० एम० 13011/1/78-रा० प्रा० सब-2 के क्रम में कन्ट्रिक सरकार के आर्थिक एवं सांख्यकी कार्यालय के निदेशक श्री एम० बी० नंजापा को भी विभाग 1 जुलाई, 1978 से 30 जून 1980 तक दो वर्ष की अवधि के लिये राष्ट्रीय प्रतिवर्षी सर्वेक्षण संगठन के कार्यकलापों के विभिन्नत के लिये विभिन्न विभागों का सदस्य नियुक्त किया गया है।

बी० बी० आहजा, अवर सचिव

## गृह मंत्रालय

नई दिल्ली-110001 दिनांक 29 सितम्बर, 1978

सं० य० 13019/7/78-ए० एन० प्र०—राष्ट्रपति, 2 सितम्बर, 1978 (11भाद्र, 1900) को भारत के राजपत्र के पृष्ठ 725 में प्रकाशित भारत सरकार, गृह मंत्रालय की अधिसूचना सं० य०-13019/7/78-ए० एन० प्र० (1) को रद्द करते हैं।

उमा पिल्लै, उप सचिव

## विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1978

सं० 1/5/76-सी० ई० ई०—सर्वेसाधारण की जानकारी के लिये यह सूचित किया जाता है कि डा० बी० डी० तिलक, निदेशक, राष्ट्रीय रासायनिक प्रयोगशाला, पुणे, जो 30-9-1978 को सेवानिवृत्त हो रहे हैं के स्थान पर डा० एच० बी० के० उडूपा निवेशक, केन्द्रीय विद्युत रसायन अनुसंधान संस्थान कराईकुड़ी को 1-10-1978 से दो वर्षों के लिये समस्या परिषद, रसायन विज्ञान युग को अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। अतः डा० बी० डी० तिलक का नाम और पदनाम, जो अधिसूचना क्रमांक 1/15/75-सी० ई० और क्रमांक: 1/5/76-सी० ई० ई० दिनांक 10-8-1977 की क्रम, संख्या 6 (III, में अंकित या और भारत के राजपत्र भाग-I, अनुभाग-1 में प्रकाशित किया गया था के स्थान पर अब डा० एच० बी० के० उडूपा, निदेशक केन्द्रीय विद्युत रसायन अनुसंधान संस्थान, कराईकुड़ी का नाम माना जाए और डा० बी० डी० तिलक के नाम के सामने आए शब्दों “(30-9-1978 तक)” को डा० एच० बी० के० उडूपा के नाम के आगे माना जाए “(30-9-1980 तक)”。

ए० रामचन्द्रम, सचिव

नई दिल्ली-110029, दिनांक 25 सितम्बर 1978

सं० एक० 1 (14)/76-एस० आर०-I (एन० आर० बी० सी०) —नेशनल रिसर्च ऐबलिमेंट कारपोरेशन आफ इण्डिया (कम्पनी अधिनियम 1956 के अधीन पंजीकृत एक कम्पनी) के अन्तर्नियमों के अनुष्ठेद संख्या 89 के अनुसारण में और इस विभाग की 4 अक्टूबर 1976 की समसंक्षेप अधिसूचना के अनुक्रम में राष्ट्रपति श्री आर० एस० भट्ट की निवेशक मंडल के अंशकालिक सभापति के रूप में नियुक्ति को सहर्ष 15 सितम्बर, 1978 से 14 सितम्बर, 1980 तक 2 वर्ष की अवधि के लिये और आगे बढ़ाते हैं।

के० बी० स्वामीनाथन, निदेशक

## स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर, 1978

सं० एल० 14011/2/78-ए० पी०—आंध्र प्रदेश में शिशु रेख-रेख परियोजना संबंधी नीतिपरक तथा तकनीकी मामलों के बारे में सलाह देने के लिये भारतीय सलाहकार बोर्ड के गठन के बारे में इस मंत्रालय की 29 जनवरी 78 की अधिसूचना सं० 5/9/71-ए० पी० और बाद में जारी किये गये शुद्धिपत्रों का अधिक्रमण करते हुए सलाहकार बोर्ड को पुनर्गठित करने का नियम किया गया है, जो इस प्रकार है:-

1. आंध्र प्रदेश के मुद्द्य सचिव अध्यक्ष
2. सचिव, आंध्र प्रदेश सरकार, शिक्षा विभाग सदस्य
3. अपर सचिव एवं आयुक्त, स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार अवधा उनके बारा मनोनीत किया गया अधिकारी सदस्य

4. सचिव, आध्र प्रदेश सरकार, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग	सबस्य
5. सचिव, आध्र प्रदेश सरकार, नगर प्रशासन विभाग तथा नगर विकास विभाग	सदस्य
6. मंचित्र, आध्र प्रदेश सरकार, अम, रोजगार तथा तकनीकी शिक्षा विभाग	सदस्य
7. मंचित्र, आध्र प्रदेश सरकार, विनायत राज विभाग	सदस्य
8. कलेक्टर, हैदराबाद	सदस्य
9. निदेशक, राष्ट्रीय पोषण, संस्थाग तारानामा, हैदराबाद	सदस्य
10. अध्यक्ष, भारतीय शिशु कल्याण परिषद्, नई दिल्ली	सदस्य
11. विकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा निदेशक, आध्र प्रदेश सरकार	सदस्य
12. निदेशक (अनुसंधान), समाज कल्याण विभाग भारत सरकार नई दिल्ली ।	सदस्य
13. श्रीमती प्रेम लता गुप्त, अध्यक्ष, भारतीय परिवार नियोजन संघ (आध्र प्रदेश), हैदराबाद ।	सदस्य
14. सचित्र, भारतीय स्कूल-पूर्व शिक्षा संघ, नई दिल्ली	सदस्य
15. श्रीमती बहाबुद्दीन अहमद, अध्यक्ष, भारत प्रामीण महिला संघ, हैदराबाद ।	सदस्य
16. श्रीमती जे० कुमिल्दिनी वेशी, शिवानन्दगांहा, 77, बेगमपेठ, हैदराबाद ।	सदस्य
17. निदेशक, महिला शिष्ट कल्याण, आध्र प्रदेश सरकार	सदस्य
18. श्रीमती वी० रामाराव, सदस्या, विधान परिषद् (आध्र प्रदेश) 5, स्पेशल 'वी' ओल्ड एम० एल० एवाटर, हैदराबाद-5000011	सदस्य
19. श्रीमती गी० लक्ष्मण, 8-3-1107, केशव नगर, हैदराबाद-5008731	सदस्य
20. निदेशक, इण्डो-इन्डियन प्रोजेक्ट, हैदराबाद	सदस्य

प्रदेश

यह आदेश दिया जाता है कि इस अधिसूचना की एक प्रति आध्र प्रदेश सरकार को भेजी जाए और यह अधिसूचना भारत के राजपत्र में सूचनार्थ प्रकाशित कर दी जाए।

रमेश बहावुर उप सचिव

पर्यटन और नागर विभाग संकालन

नई दिल्ली-1, दिनांक 26 सितम्बर 1978

[संकल्प

सं० एच० एस० 11027/6/77-एच० एल०—भारत पर्यटन विकास निगम के गैर-आधिकारी कर्मचारियों के लिये एक वेतन पुनरीक्षण समिति के गठन के संबंध में इस मंत्रालय के मंकल्प संश्या एच० एस०-11027 6/77-एच० एल० दिनांक 5 अगस्त, 1977 और समिति को अपनी सिफारिशें पेश करने हेतु समयावधि शब्दाएं जाने संबंधी संकल्प संश्या एच० एस०-11027/6/77-एच० एल० दिनांक 21 मार्च, 1978 के अनुशासन में, सरकार ने समिति की समयावधि को और आगे 4 नवम्बर 1978 तक दीन महीने के लिये बढ़ाने का निर्णय किया है ताकि समिति अपनी सिफारिशें सरकार को प्रस्तुत कर सके।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रति भारत के राजपत्र में आम सूचना के लिये प्रकाशित की जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि मंकल्प की एक प्रतिलिपि सभी संबंधितों को भेजी जाए।

सी० वी० जैन, महानिदेशक (पर्यटन) और परेन प्रपर सचिव,

सूचना और प्रसारण मंत्रालय  
नई दिल्ली, दिनांक 26 सितम्बर 1978

संकल्प

सं० ई० 11011/25/73-प्रशा०-1/हिन्दी—सूचना और प्रसारण मंत्रालय के 24 जून, 1975 के संकल्प सं० ई० 11011/25/73-प्रशा०-1/हिन्दी का अधिक्रमण करने हुए, भारत सरकार ने सूचना और प्रसारण मंत्रालय की सूचना और प्रसारण हिन्दी समिति का पुनर्गठन करने का निर्णय किया है।

2. इस समिति के निम्नलिखित सदस्य होंगे:—

1. सूचना और प्रसारण मंत्री
2. श्री राम कंवर बेरवा, संसद सबस्य (लोक सभा)
3. श्रीमती प्रतिभा मिह, संसद सदस्य (राज्य सभा)
- 4-5. वो अस्य संसद सदस्य (अभी नामांकित किये जाने हैं)।
6. श्री सचिनदानन्द वास्मायन "अश्रेय", सम्पादक, 'नव भारत टाइम्स', १, बाहुदर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली ।
7. डा० विद्या मिहास मिश्र, निदेशक, क० म० हिन्दी तथा भाषा विज्ञान, विद्यापीठ, आगरा विश्वविद्यालय, [आगरा-282004]।
8. श्री गिरिजा कुमार माधुर, ३, प० पन्त मार्ग, नई दिल्ली ।
9. श्री विज्ञु काल्प शास्त्री, विद्यायक, पश्चिम बंगाल विधान सभा, २८०, चित्रजन एवेन्यू, कलकत्ता-७०००६।
10. डा० मोटूरि सत्यनारायण, (अध्यक्ष, केन्द्रीय हिन्दी शिक्षण मंडल, आगरा) ७, फस्ट शीसेंट रोड, गांधी नगर, आउपार, मद्रास-६०००२०।
11. प्रो० जी० मुन्द्र रेडी, हिन्दी विभागाध्यक्ष, अध्र विश्वविद्यालय, विद्यानगर, विश्वविद्यालय-५३०००३।
12. श्रीमती मशू भंडारी, २९/१७ शक्ति नगर, नई दिल्ली-७।
13. श्री कुवर भन्द्र प्रकाश सिंह, ब्रह्म नगर, बीतापुर रोड, लखनऊ-२२६००७।
14. डा० एन० एस० विज्ञेनमूर्ति, प्राध्यायक, स्नातकोत्तर हिन्दी अध्ययन तथा अनुसंधान विभाग, मैसूर विश्वविद्यालय, मानस गोपीनाथ, मैसूर-६।

15. श्री राम लाल परीष,	सदस्य
सचिव,	
अखिल भारतीय हिन्दी सम्पा संघ,	
75, जवाहरलाल नेहरू मार्ग,	
नई दिल्ली-110002।	
16. श्री शंकरराव लोहे,	सदस्य
मंत्री,	
राष्ट्रभाषा प्रचार समिति,	
बृंदा।	
17. श्री किशन पट्टनायक,	सदस्य
सी-37,	
पीपुल्स को-आपरेटिव कालोनी,	
लोहिया नगर, पटना-800020।	
18. श्री के० नरेन्द्र,	सदस्य
सम्पादक,	
'ईनिक प्रताप',	
5, बहादुर शाह जफर मार्ग,	
नई दिल्ली-110002।	
19. श्रीमती उमाराय,	सदस्य
15, टैगोर टाउन,	
इलाहाबाद।	
20. सचिव राजभाषा विभाग एवं	सदस्य
भारत सरकार के हिन्दी सलाहकार।	
21. सचिव,	सदस्य
सूचना और प्रसारण मंत्रालय।	
22. आकाशवाणी महानियंत्रक	सदस्य
23. दूरदर्शन महानियंत्रक	सदस्य
24. समाचार देवा नियंत्रक, आकाशवाणी।	सदस्य
25. प्रधान सूचना अधिकारी,	सदस्य
पत्र सूचना कार्यालय	
26. संयुक्त सचिव, राजभाषा विभाग	सदस्य
27. अध्यक्ष, वैज्ञानिक और तकनीकी	सदस्य
शब्दावली आयोग।	
28. सूचना और प्रसारण मंत्रालय	सदस्य-सचिव
में हिन्दी कार्य से संबंधित	
संयुक्त सचिव।	

## 3. समिति का कार्य:

समिति का कार्य केन्द्रीय हिन्दी समिति और राजभाषा विभाग (गृह मंत्रालय) द्वारा सरकारी कामकाज के लिये हिन्दी के प्रयोग के संबंध में निर्धारित नीतियों के अनुसार सूचना और प्रसारण मंत्रालय तथा इसके माध्यम एकको के कामकाज में हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के बारे में सलाह देना होगा।

## 4. कार्यकाल:

समिति के सदस्यों का कार्यकाल सामान्यतया समिति के पुनर्गठन की तारीख से तीन वर्ष होगा, बास्ते कि—

- (1) जो संसद सदस्य समिति के सदस्य हैं, वे संसद सदस्य न रहने पर इस समिति के सदस्य नहीं रह सकेंगे।
- (2) समिति के पदेन सदस्य अपने पद पर कार्य करते रहने सके समिति के सदस्य रहेंगे; और
- (3) यदि किसी सदस्य की मृत्यु हो जाने के कारण अथवा समिति की सदस्यता से त्यागपत्र दे देने के कारण स्थान रिक्त होता है तो उस स्थान पर नियुक्त सदस्य तीन वर्ष के कार्यकाल की शेष अवधि के लिये ही सदस्य रहेगा।

## 5. सामान्य:

- (1) समिति अपने कार्य में सहायता के लिये आवश्यकतानुसार उप-समितियां नियुक्त कर सकेंगी, अतिरिक्त सदस्यों को सह-योजित कर सकेंगी और अपनी बैठकों में विषेषज्ञों को भी आमंत्रित कर सकेंगी।
- (2) समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा, किन्तु समिति अपनी बैठकें किसी अन्य स्थान पर भी कर सकेंगी।
- (3) समिति के गैर-सरकारी सदस्यों को समिति तथा इसकी उप-समितियों की बैठकों में भाग लेने के लिये भारत सरकार द्वारा समय-समय पर निश्चित दरों पर नियमों के अनुसार यात्रा भत्ता और ईनिक भत्ता दिया जाएगा।

## आवेदन

आवेदन दिया जाता है कि इस संकल्प की एक एक प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ प्रशासित धेत्रों के प्रशासनों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों एवं विभागों, राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधानमंत्री का कार्यालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, नियन्त्रक और महालेखा परीक्षक, महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व और लेखा महानियंत्रक को भेज दी जाए।

यह भी आवेदन दिया जाता है कि इस संकल्प को सर्वसाधारण की जानकारी के लिये भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

अ० उ० शर्मा, संयुक्त सचिव

## श्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 सितम्बर 1978

सं० एम० 14011/4/78-ए० एल०—सरकार पिछ्ले कुछ समय से श्रम मंत्रालय में एक स्थाई सलाहकार तत्त्व स्थापित करने के प्रपत पर विचार कर रही है। इस तंत्र में श्रमिकों और नियोजकों के संगठनों, केन्द्रीय मंत्रालयों और विभागों तथा राज्य सरकारों, देश में काव्य श्रमिकों के कल्याण कार्य भूलेंगे या सहयोजित सत्याओं/संगठनों और विशिष्ट व्यविधियों/समाज कार्यकारियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। यह तत्त्व ग्रामीण असंगठित श्रमिकों की सामाजिक व आर्थिक दशाओं को सुधारने और उनके संगठनों को बढ़ावा देने के लिये विभिन्न प्रशासनिक तथा कानूनी उपायों के संबंध में सरकार को सलाह देगा। इस भासले पर 25 जनवरी, 1978 को नई दिल्ली में हुए ग्रामीण असंगठित श्रमिक संबंधी विशेष सम्मेलन में भी विचार-विमर्श किया गया। इस सम्मेलन ने केन्द्र में इस प्रकार के स्थायी सलाहकार तंत्र की स्थापना का सुझाव दिया। तदनुसार सरकार ने ग्रामीण असंगठित श्रमिक संबंधी विशेष स्थापित करने का निर्णय किया है, जो उसे ग्रामीण असंगठित श्रमिकों की रहन-गहन तथा काम-काज की दशाओं में सुधार करने और उनके संगठनों को बढ़ावा देने सबूती मामलों पर सलाह देगी।

2 उक्त स्थाई समिति का गठन इस प्रकार होगा:—

## अध्यक्ष:

केन्द्रीय संसदीय कार्य तथा श्रम मंत्री

## उपाध्यक्ष:

श्रम तथा संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री।

## सदस्य:

- 1 श्रीमती अरुणा राय,
- सामाजिक और अनुसंधान केन्द्र
- तिरोनिया, अजमेर।

2. श्री बाबूराव भोयड़,  
मार्फत श्री विजया मुन्जे,  
घनतोली, नागपुर।

3. श्रीमती बनारसी देवी गुप्ता  
गांव और डाकघर साराइया,  
जिला भोजपुर, आरा बिहार।

4. श्री बी० एन० राजहुंस,  
मनीनदास बेघर, द्वितीय तल,  
167, पी० छिमेली रोड़,  
बम्बई।

5. डा० बी० रामभूति,  
43, भारती नगर, नई दिल्ली।

6. श्री चित्त भट्टु, संसद सदस्य,  
123, नार्थ एवेन्यू, नई दिल्ली।

7. श्री हरिकिशन सिंह सुरजीत, संसद सदस्य,  
20, जनपथ, नई दिल्ली।

8. श्री के० एम० रघुपति  
ए० बी० -7 पंडारा रोड़,  
नई दिल्ली।

9. श्री एम० बी० राजशेखरन,  
एशियाई भासीण विकास संस्थान,  
19, कनकपुरा रोड़,  
बसवानागुडी बंगलौर।

10. श्री रम्मापति सिंह, संसद सदस्य,  
4 शिवालय प्लैस,  
नई दिल्ली।

11. श्री एस० जगन्नाथन,  
सर्वोच्च मंडल,  
मदुराय,  
तमिल नाडु।

12. श्री मुखर लाल बहुगुणा,  
पर्वतीय नद जीवन मंडल,  
सिलगारा,  
टेहरी गढ़वाल,  
उत्तर प्रदेश।

13. श्री मुरेन्द्र मोहन, संसद सदस्य,  
15, तीन मूर्ति लेन,  
नई दिल्ली।

14. प्रो० टी० के० एन० यूनियन,  
समाज विज्ञान विभाग के प्रमुख,  
जयपुर विश्वविद्यालय,  
जयपुर।

निम्नलिखित से एक सदस्यः

15. अखिल भारतीय ट्रेड यूनियन कार्प्रेस,  
24, केनिंग लेन,  
नई दिल्ली।

16. ए० एन० मिन्हा संस्थान,  
पटना।

17. भारतीय मज़हूर संघ,  
23/24 विठ्ठल भाई पटेल हाउस,  
नई दिल्ली।

18. भारत कृषक समाज,  
1 ए० पाश्चमी निजामुहीन,  
नई दिल्ली।

19. विकास अध्ययन केन्द्र,  
सिवेन्ट्रम।

20. भारतीय ट्रेड यूनियन केन्द्र,  
172 लेनिन सारनी,  
कलकत्ता-13।

21. समाज विज्ञान अध्ययन केन्द्र,  
कलकत्ता।

22. कृषि राहत महासंघ,  
18/5, डल्लू० ई० ए०, करोल बाग  
नई दिल्ली।

23. हिंदू मज़हूर सभा,  
नगीन बास बेघर, द्वितीय तल,  
167, पी० छिमेली रोड़,  
बम्बई।

24. हिंदू मज़हूर पंचायत,  
204, राजाराम मोहन राय रोड़,  
चिरामि, बम्बई।

25. राष्ट्रीय मज़हूर कार्प्रेस,  
1 बी० भीलाना आजाव रोड़,  
नई दिल्ली।

26. राष्ट्रीय श्रम संगठन,  
गोधी मज़हूर सेवालय,  
भाँडा, भ्रह्मदत्तावाल।

27. युवक कृषक संघ,  
नार्थ ए० कम्पौलस,  
आर० के० मिशन आश्रम रोड़,  
नई दिल्ली।

28. कृषि विभाग,  
कृषि और सिन्चाई मंत्रालय,  
नई दिल्ली।

29. श्राम विकास विभाग,  
कृषि और सिन्चाई मंत्रालय,  
नई दिल्ली।

30. योजना आयोग,  
नई दिल्ली।

31. यूह मंत्रालय,  
नई दिल्ली।

32. आन्ध्र प्रदेश सरकार।

33. बिहार सरकार।

34. गुजरात सरकार।

35. केरल सरकार।

36. मध्य प्रदेश सरकार।

37. महाराष्ट्र सरकार।

38. पंजाब सरकार।

39. तमिल नाडु सरकार।

40. उत्तर प्रदेश सरकार।

41. पश्चिम बंगाल सरकार।

सदस्य सचिव।

42. श्री पी० एस० हसीब मोहम्मद,  
संयुक्त सचिव, श्रम मंत्रालय,  
नई दिल्ली।

## विचारार्थ विषयः

3. यह समिति ग्रामीण असंगठित श्रमिक ("ग्रामीण असंगठित श्रमिक" की परिभाषा वही है जो "ग्रामीण श्रमिक" के लिये अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन अभियान संघर्ष 141 में वी गई है) की सामाजिक-श्राविक दशाओं में सुधार करने और उनके संगठनों को प्रोत्साहन देने तथा विशेष रूप से निम्नलिखित मामलों पर विभिन्न प्रशासनिक और वैधानिक उपायों सरकार की सलाह देती है:

- (1) रोजगार सुरक्षा, कार्य घन्टे, मजदूरी की विवायगी, समाज सुरक्षा योजनाएं, यंत्रीकरण में सुरक्षा, विवाद निपटान संशीलनी आदि के संबंध में ग्रामीण श्रमिकों, विशेष रूप से हृषि श्रमिकों के हितों की रक्षा के लिए प्रस्तावित केन्द्रीय कानून;
- (2) वर्तमान श्रम कानूनों में जिस में समाज सुरक्षा कानून शामिल है, जब कभी आवश्यक हो, संशोधन और परिवर्तन ताकि इनके उपबन्धों को ग्रामीण श्रमिकों पर लागू किया जाए और उनका संबंधी से पालन किया जाए;
- (3) प्रशासनिक और वैधानिक कदम जो ग्रामीण श्रमिकों के संगठनों के उचित विकास हेतु परिस्थितियां उत्पन्न करने के लिये उठाए जाएं;
- (4) रोजगार सुरक्षा योजनाओं द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी और अप्लॉ रोजगार को नुर करने के लिये उपाय और साधन;
- (5) ग्रामीण श्रमिकों के संगठन और शिक्षा की प्रक्रिया को तेज करने के लिये केन्द्रीय श्रमिक शिक्षा बोर्ड/राष्ट्रीय श्रम संस्थान के कार्यक्रमों का अभिनवीकरण;
- (6) अंगतों और दूरस्थ क्षेत्रों में शुरू की गई परियोजनाओं में डेका श्रम पद्धति को समाप्त करना और वन श्रमिकों की सहकारी समितियों को प्रोत्साहन देना जो स्थानीय व्यक्तियों के आहार और रोजगार की व्यवस्था कर सके;
- (7) ग्रामीण गरीबों के लिये स्वास्थ्य देख-रेख, परिवार कल्याण, शिक्षा, आवास, पेय जल, सड़कें, संस्थागत शृण, कृषि और

जपभोक्ता सहकारी समिति केन्द्र मुफ्त कानूनी सहायता और विकास की सामाजिक-श्राविक उपलब्धियों का विस्तार करना;

- (8) राज्य स्तर पर गठित स्थाई श्रमितियों के साथ सम्पर्क बनाना;
- (9) इस समिति तथा राज्य स्तर समितियों द्वारा दिये गये सुझावों का केन्द्र तथा राज्यों द्वारा संशोधन तथा कार्यान्वयन में की गई प्रगति की समय समय पर पुनरीक्षा और जांच करना; और
- (10) ग्रामीण श्रमिकों की समस्याओं से संबंधित कोई अन्य विषय, जिस पर सरकार समिति की सलाह मांगना जाए।

4. समिति का मुख्यालय नई दिल्ली में होगा और सचिवालय सहायता की व्यवस्था श्रम मंत्रालय में ग्रामीण श्रमिक सेल द्वारा की जाएगी।

5. समिति अपनी कार्य प्रणाली स्वयं सोचेगी। यह समिति ऐसी सूचना मांग सकती है और ऐसी गवाही ले सकती है जो यह आवश्यक समझे। भारत सरकार के मंत्रालय/विभाग ऐसी सूचना, सामग्री और दस्तावेज प्रस्तुत करेंगे और सभी ऐसी सहायता प्रदान करेंगे। जो समिति को जरूरत हो।

6. भारत सरकार आशा करती है कि राज्य सरकारें/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासन सांबंधित उपक्रम और नियमित नियोजकों और श्रमिकों के संगठन तथा सभी अन्य संबंधित संगठन संघ और संस्थाएं इस समिति को अपना सहयोग देंगे।

## आवेदन

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों तथा अन्य सभी संबंधितों को भेजी जाएं।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प भारत के राजपत्र में आम भूचाल के लिये प्रकाशित किया जाए।

एच० पाइस, संयुक्त सचिव

## MINISTRY OF RAILWAYS

## (RAILWAY BOARD)

## RULES

New Delhi, the 21st October, 1978

No. 78/E(GR)I/1/7.—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1979 for selection of candidates for appointment as Special Class Apprentices' in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers, are published for general information.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) Union Territories Order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; (as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists) (Modification) Order, 1956; the Bombay Reorganisation Act, 1960; the Punjab Reorganisation Act, 1966; the State of Himachal Pradesh Act, 1970, the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971 and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976; the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956; the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959 as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962; the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962; the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964; the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967; the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled

Castes Order, 1968; the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968; and the Constitution (Nagaland), Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Commission in the manner prescribed in Appendix I to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Nepal, or
- (c) a subject of Bhutan, or
- (d) a Tibetan refugee who come over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or
- (e) a person of Indian origin who his migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or from Zambia, Malawi, Zaire, Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

5. (a) A candidate must have attained the age of 16 years and must not have attained the age of 20 years on 1st January, 1979, i.e., he must have been born not earlier than 2nd January 1959, and not later than 1st January, 1963.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (vii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (viii) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;
- (ix) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof, who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (x) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and
- (xi) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force Personnel, disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes;
- (xii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian Passport holder) from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975.
- (xiii) up to maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (c) A candidate who exceeds the prescribed upper age limit on the crucial date viz. 1st January, 1979 and who was detained under the Maintenance of Internal Security Act or was arrested or imprisoned under the Defence and Internal Security of India Act, 1971 or Rules thereunder during the period of Internal Emergency between 25-6-75 and 21-3-77 on account of alleged political activities or association with erstwhile banned organisations and thus prevented from appearing at the examination while he was still within the age-limits

prescribed for admission to this examination, will be eligible to appear at the examination subject to the condition that he should not have sat for (*i.e.* he should have foregone) the examination at least once during the period between June, 1975 and March, 1977 for which he was eligible in all respects.

NOTE : Under this concession, which will not be admissible for admission to any examination held after 31.12.1979, not more than one chance will be allowed.

SAVE AS PROVIDED ABOVE, THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. A candidate—

- (a) must have passed in the first or second division the Intermediate or an equivalent Examination of a University or Board approved by the Government of India with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination.

Graduates with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as their degree subjects may also apply, or

- (b) must have passed the first year Examination under the three-year degree course of a University or the first examination of the three-year diploma course in Rural Services of the National Council for Rural Higher Education, or the third year Examination for promotion to the 4th year of the four-year B.A./B.Sc. (Evening College) Course of the Madras University with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination provided that before joining the degree/diploma course he passed the Higher Secondary Examination or the Pre-University or equivalent Examination in the first or second division.

Candidates who have passed the first/second year Examination under the three-year degree course in the first or second division with Mathematics and either Physics or Chemistry as subjects of the Examination may also apply provided the first/second year Examination is conducted by a University; or

- (c) must have passed in the first or second division the Pre-Engineering Examination of a University approved by the Government of India; or

- (d) must have passed in the first or second division the Pre-Professional/Pre-Technological Examination of any Indian University or a recognised Board, with Mathematics and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination conducted one year after the Higher Secondary or Pre-University stage; or

- (e) must have passed in the first year examination under the five year Engineering Degree Course of a University, provided that before joining the Degree Course, he passed the Higher Secondary Examination or Pre-University or equivalent examination in the first or second division.

Candidates who have passed the first year Examination of the five-year Engineering Degree Course in the first or second division may also apply provided the first Examination is conducted by a University; or

- (f) must have passed in the first or second division the Pre-degree Examination of the Universities of Kerala and Calicut with Mathematics, and at least one of the subjects Physics and Chemistry as subjects of the examination.

NOTE I.—Candidates who are not awarded any specific division by the University/Board either in the Intermediate or any other examination mentioned above will be considered educationally eligible provided their aggregate of marks falls within the range of marks for first or second division as prescribed by the University/Board concerned.

NOTE II.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at the examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate

who intends to appear at such a qualifying examination may also apply. Such candidates will be admitted to the examination if otherwise eligible but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible and in any case not later than 26th April, 1979.

NOTE III.—In exceptional cases, the Commission may admit a candidate, who has not any of the qualifications prescribed in this rule as educationally qualified provided that he possesses qualifications the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

7 Candidates must pay the fee prescribed in para 5 of the Commission's Notice.

8 All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, will be required to submit a 'No Objection Certificate' from the Head of their Office/Department in accordance with the instructions contained in para 2 of Annexure to the Commission's Notice.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10 No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means; or
- (ii) impersonating; or
- (iii) procuring impersonation by any person; or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with; or
- (v) making statements which are incorrect or false, or suppressing material information; or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination; or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or, as the case may be, abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses,

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
  - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them;
  - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government, to disciplinary action under the appropriate rules

12 Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion, shall be summoned by them for the Personality Test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for the Personality Test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for the Personality Test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them

13 After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate; and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Service, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

14 The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

15 Success in the examination confers no right to appointment, unless Government are satisfied, after such enquiry as may be considered necessary that the candidate is suitable in all respects for appointment to the Railway Service.

16 A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements will not be appointed. Only such candidates as are likely to be considered for appointment will be medically examined. Candidates will have to pay a fee of Rs 16.00 to the Medical Board concerned at the time of the medical examination.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government medical officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix II to these Rules. For the disabled ex-Defence Services Personnel and Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the service.

17 No person

- (a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or
- (b) who having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person;

shall be eligible for appointment to service

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

18. Conditions of apprenticeship for the Special Class Apprentices selected through this examination are given in Appendix III. Brief particulars relating to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers are also given in Appendix IV.

## APPENDIX I

(SEE Rule 3)

The examination shall be conducted according to the following plan :

Part I—Written examination carrying a maximum of 700 marks in the subject as shown below :

Part II—Personality Test carrying a maximum of 200 marks. (Vide Rule 12).

2. The subjects of the written examination under Part I, the time allowed and the maximum marks allotted to each subject/paper shall be as follows—

Sl. No.	Subject	Time Allowed	Maximum Marks
1.	English	2 Hours	100
2.	General Knowledge	2 Hours	100
3.	Physics	2 Hours	100
4.	Chemistry	2 Hours	100
5.	Mathematics I— (Algebra, Elementary Mensuration, Trigonometry & Analytic Geometry)	2 Hours	100
6.	Mathematics II— Calculus (Differential and Integral) and Mechanics (Statics and Dynamics)	2 Hours	100
7.	Psychological Test	1 Hour	100
		Total	700

3. THE PAPERS IN ALL THE SUBJECTS WILL CONSIST OF OBJECTIVE TYPE QUESTIONS ONLY. FOR DETAILS INCLUDING SAMPLE QUESTIONS, PLEASE SEE CANDIDATES' INFORMATION MANUAL AT APPENDIX V.

4. IN THE QUESTION PAPERS, WHEREVER NECESSARY, QUESTIONS INVOLVING THE METRIC SYSTEM OF WEIGHTS AND MEASURES ONLY WILL BE SET.

5. Question papers will be approximately of the Intermediate standard.

6. Candidates must write the answers in their own hand. In no circumstances will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

7. The syllabus for the examination will be as shown in the attached Schedule.

8. The Commission have the discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects at the examination.

## SCHEDULE

ENGLISH.—The questions will be designed to test the candidate's understanding and command of the language.

## GENERAL KNOWLEDGE

The paper aims at testing a candidate's general awareness of the environment around him and its application to society. The standard of answers to questions should be as expected of students of standard 12 or equivalent.

## Man and his environment

Evolution of life, plants and animals, heredity and environment—Genetics, cells, chromosomes, genes.

Knowledge of the human body—nutrition, balanced diet, substitute foods, Public health and sanitation including control of epidemics and common diseases. Environmental pollution and its control. Food adulteration, proper storage and preservation of food grains and finished products. Population explosion, population control. Production of food and raw materials. Breeding of animals and plants, artificial insemination, manures and fertilisers, crop protection measures, high yielding varieties and green revolution, main cereal and cash crops of India.

Solar system and the earth. Seasons, Climate, Weather. Soil—its formation, erosion, Forest and their uses. Natural calamities (cyclones, floods, earthquakes, volcanic eruptions). Mountains and rivers and their role in irrigation in India. Distribution of natural resources and industries in India. Exploration of under-ground minerals including oil-conservation of natural resources with particular reference to the flora and fauna of India.

## History, Politics and Society in India

Vedic, Mahavir, Buddha, Mauryan, Sunga, Andhra, Kushan, Gupta ages (Mauryan Pillars; Stupa Caves; Sanchi, Mathura and Gundharva Schools; Temple architecture; Ajanta and Ellora). The rise of new social forces with the coming of Islam, and establishment of broader contacts. Transition from feudalism to capitalism. Opening of European contacts. Establishment of British rule in India. Rise of nationalism and national struggle for freedom culminating in Independence.

Constitution of India and its characteristic features—democracy, Secularism, socialism, equality of opportunity. Parliamentary form of government—Major political ideologies—democracy, socialism, communism and Gandhian idea of non-violence. Indian political parties, pressure groups, public opinion and the press, electoral system.

India's foreign policy and non-alignment—arms race, balance of power. World organisations—political, social, economic and cultural. Important events (including sports and cultural activities) in India and abroad during the past two years.

Broad features of Indian social system: the caste system hierarchy recent changes and trends. Minority social institutions—marriage, family, religion and acculturation.

Division of labour, co-operation, conflict and competition; social control—reward and punishment, art, law, custom, propaganda, public opinion; agencies of social control—family, religion, state, educational institutions; factors of social change—economic, technological, demographic, cultural; the concept of revolution.

Social disorganisation in India—Casteism, communalism, corruption in public life, youth unrest, beggary, drugs, delinquency and crime, poverty and unemployment.

Social planning and welfare in India—community development and labour welfare; welfare of Scheduled Castes and backward classes.

Money taxation, price demographic trends, national income, economic growth; Private and Public Sectors; economic and non-economic factors in planning, balanced versus imbalanced growth, agricultural versus industrial development; inflation and price stabilisation problems of resource mobilisation, India's Five Year Plans.

## PHYSICS

Length measurements using vernier, screw gauge, spherometer and optical lever.

Measurement of time and mass.

Straightline motion and relationships among displacement, velocity and acceleration.

Newton's laws of motion. Momentum, impulse, work, energy and power.

Coefficient of friction.

Equilibrium of bodies under action of forces. Moment of a force; couple. Newton's law of gravitation. Escape velocity. Acceleration due to gravity.

Mass and Weight. Centre of gravity. Uniform circular motion. Centripetal force: Simple Harmonic motion. Simple pendulum.

Pressure in a fluid and its variation with depth. Pascal's law. Principle of Archimedes. Floating bodies. Atmospheric pressure and its measurement.

Temperature and its measurement. Thermal expansion. Gas laws and absolute temperature. Specific heat, latent

heat and their measurement. Specific heats of gases. Mechanical equivalent of heat. Internal energy and first law of thermodynamics. Isothermal and adiabatic changes. Transmission of heat: thermal conductivity.

Wave motion. Longitudinal and transverse waves. Progressive and stationary waves. Velocity of sound in a gas and its dependence on various factors. Resonance phenomena (air columns and strings).

Reflection and refraction of light. Image formation by curved mirrors and lenses. Microscopes and telescopes. Defects of vision.

Prisms; deviation and dispersion. Minimum deviation. Visible spectrum.

Field due to a bar magnet. Magnetic moment. Elements of Earth's magnetic field. Magnetometers. Dia, para and ferromagnetism.

Electric charge, electric field and potential; Coulomb's law.

Electric current: electric cells, e.m.f. resistance; Ammeters and Voltmeters; Ohm's law; resistances in series and parallel, specific resistance and conductivity. Heating effect of current.

Wheatstone's bridge, Potentiometer.

Magnetic effect of current; straight wire, coil and solenoid; electromagnet; electric belt.

Force on a current-carrying conductor in magnetic field; moving coil galvanometer; conversion to ammeter or voltmeter.

Chemical effects of current; Primary and storage cells and their functioning. Laws of electrolysis.

Electromagnetic induction; simple A.C. and D.C. generators. Transformers; Induction coil.

Cathode rays, discovery of the electron; Bohr model of the atom. Diode and its use as a rectifier.

Production, properties and uses of X-rays.

Radioactivity; Alpha, Beta and Gamma rays.

Nuclear energy, fission and fusion; conversion of mass into energy, chain reaction.

## CHEMISTRY

### Physical Chemistry

1. Atomic structure; Earlier models in brief. Atom as a three dimensional model. Orbital concept. Quantum numbers and their significance, only elementary treatment. Pauli's Exclusion Principle. Electronic configuration. Aufbau Principle & p, d and f block elements.

Periodic classification only long form. Periodicity and electronic configuration. Atomic radii, Electro-negativity in period and groups.

2. Chemical Bonding: Electro-valent covalent Coordinate covalent bonds. Bond Properties &  $\pi$  bonds, Shapes of simple molecules like water, hydrogen sulphide, methane and ammonium chloride. Molecular association and hydrogen bonding.

3. Energy changes in a chemical reaction: Exothermic and Endothermic Reactions. Application of First Law of Thermodynamics. Hess's Law of constant heat summation.

4. Chemical Equilibrium and rates of reactions. Law of Mass action. Effect of Pressure. Temperature and concentration on the rates of reaction (Qualitative treatment based on Le Chateller's Principle). Molecularity First and Second order reactions. Concept of Energy of activation. Application to manufacture of Ammonia and Sulphur trioxide.

5. Solutions: True solutions, colloidal solutions and suspensions. Colligative properties of dilute solutions and determination of Molecular weights of dissolved substances. Elevation of boiling points. Depression of freezing point. Osmotic Pressure. Raoult's law (Nonthermodynamic treatment only).

6. Electro-Chemistry: Solution of Electrolytes. Faraday's Laws of Electrolysis. Ionic equilibria. Solubility Product.

Strong and weak electrolytes. Acids and Bases (Lewis and Bronsted's concept). P.H. and Buffer solutions.

7. Oxidation—Reduction; Modern electronic concept and oxidation number.

8. Natural and Artificial Radioactivity: Nuclear Fission and Fusion. Uses of Radioactive isotopes.

### Inorganic Chemistry

Brief treatment of Elements and their industrially important compounds.

1. Hydrogen. Position in the periodic table. Isotopes of hydrogen. Electronegative and electropositive character. Water, hard and soft water, use of water in industries. Heavy water and its uses.

2. Group I Elements. Manufacture of sodium hydroxide, sodium carbonate, sodium bicarbonate and sodium chloride.

3. Group II Elements. Quick and slaked lime. Gypsum. Plaster of Paris. Magnesium sulphate and Magnesia.

4. Group III Elements. Borax, Alumina and Alum.

5. Group IV Elements. Coal, Coke and solid Fuels, silicates. Zolitis semi-conductors. Glass (Elementary treatment)

6. Group V Elements. Manufacture of ammonia and nitric acid. Rock Phosphates and safety matches.

7. Group VI Elements. Hydrogen peroxide, allotropy of sulphur, sulphuric acid. Oxides of Sulphur.

8. Group VII Elements. Manufacture and uses of fluorine, chlorine, Bromine and Iodine. Hydrochloric acid. Bleaching powder.

9. Group 0 (Noble gases) Helium and its uses.

10. Metallurgical Processes: General methods of extraction of metals with specific reference to copper, iron, aluminium, silver, gold, zinc and lead. Common alloys of these metals Nickel and manganese, steels.

### Organic Chemistry

1. Tetrahedral nature of carbon. Hydridisation and  $\sigma$   $\pi$  bonds and their relative strength. Single and multiple bonds. Shapes of molecules. Geometrical and optical isomerism.

2. General methods of preparation, properties and reactions of alkanes, alkenes and alkynes. Petroleum and its refining—Its use as fuel.

Aromatic hydrocarbons: Resonance and aromaticity. Benzene and Naphthalene and their analogues. Aromatic substitution reactions.

3. Halogen derivatives: Chloroform, Carbon Tetrachloride, Chlorobenzene, D.D.T. and Gammexane.

4. Hydroxy Compounds: Preparation, properties and uses of Primary, Secondary and Tertiary alcohols, Methanol, Ethanol, Glycerol and Phenol. Substitution reactions at aliphatic carbon atom.

5. Ethers: Diethyl ether.

6. Aldehydes and Ketones: Formaldehyde, Acetaldehyde, Benzaldehyde, acetone, acetophenone.

7. Nitro compounds amines: Nitrobenzene, TNT, Aniline. Diazonium Compounds. Azodyes.

8. Carboxylic acids: Formic, acetic, benzoic and salicylic acids. Acetyl salicylic acid.

9. Esters: Ethylacetate, Methyl salicylates, ethyl benzoate.

10. Polymers: Polythene, Tejlon, Perspex, Artificial Rubber, Nylon, and polyester fibres.

11. Nonstructural treatment of Carbohydrates. Carbohydrates, amino acids and proteins—Vitamins and hormones.

**MATHEMATICS I :****Algebra**

Number Systems—Natural numbers. Integers. Rationals and Irrationals and their elementary properties.

Elementary Number Theory—Division algorithm. Prime and Composite numbers. Multiples and factors. Factorization Theorem, H.C.F. and L.C.M. Euclidean Algorithm.

**Logarithms and their use.**

Basic Operations. Simple factors. H.C.F., L.C.M. of polynomials. Solution of quadratic equations, relations between its roots and coefficients. Division algorithm.

Laws of Indices. A.P. and G.P. Geometric series and its application—to recurring decimal fractions.

Permutations and Combinations. Binomial Theorem for positive integral index. Applications of Binomial Theorem for rational indices to approximations.

Simultaneous linear equations (upto three unknowns) and their solutions. Fitting of a quadratic curve  $y=a+bx+cx^2$  for given values of  $y$  at  $x_1, x_2$  and  $x_3$ .

Simultaneous linear inequations (in two unknowns) and their graphs.  $2 \times 2$  Matrices and elementary operations. Identity matrix. Inverse of a matrix. Determinants of order not exceeding 3.

**Elementary Mensuration**

Area of plane figures. Volumes and surfaces of cubes, pyramids right circular cylinders; cones and spheres.

(practical problems involving the above topics will be asked and appropriate formulae supplied, if necessary).

**Trigonometry**

Angles and their measures in grades and radians. Trigonometrical ratios.

Addition formulae. Sine, cosine and tangent of multiples and sub-multiples of angles. Periodicity and graphs of sine, cosine, and tangent. Solution of simple Trigonometric equations.

**Simple cases of heights and distances.****Analytic Geometry**

Equation of a line in a plane. General equation of first degree. Angle between two lines. Parallel and perpendicular lines.

**Cartesian equation of a pair of straight lines.**

Equation of a circle. General equation. Equation of tangent and normal to a circle. Radical axis of two circles. Family of circles.

Standard equations of parabola, ellipse and hyperbola. Equations of tangent and normals at a point on the curve

(Candidates will be allowed the use of 4-place logarithmic tables).

**MATHEMATICS II****Calculus (Differential and Integral)**

Real functions through examples, their graphs. Composite and inverse functions. Algebra of real functions. Example of rational and trigonometric functions and step function.

The notions of limit and continuity of a function and of sum difference, product and quotient of functions.

Derivative of a function at a point. Derivative as instantaneous rate of change and as slope of a curve.

Derivatives of sum, difference, product and quotient of functions. Derivatives of composite function and of inverse of 1-1 functions. Derivatives of polynomial functions, rational functions, irrational functions, trigonometric functions and inverse trigonometric functions.

Primitives of functions and indefinite integrals.

Calculation of primitives in simple cases—integration by (simple) substitution and by parts

*Mechanics (Vector methods would be permissible)*

Statics : Representation of a force, parallelogram of force. Composition and resolution of forces. Like and unlike parallel forces. Moments, couples. Conditions of equilibrium. Concurrent forces and coplanar forces (not exceeding 4).

Triangle of forces.

Centre of gravity of simple bodies.

Work and power. Simple machines (lever, system of pulleys, gear).

*Dynamics* : Displacement, speed, velocity and acceleration of a particle. Motion in a straight line under constant acceleration. Simple problems on projectiles. Motion of two masses connected by a string. Conservation of energy.

(Candidates will be allowed the use of 4-place logarithmic tables).

*Psychological Test.* The questions will be designed to assess the basic intelligence and mechanical aptitude of the candidates.

**PERSONALITY TEST**

Each candidate will be interviewed by a Board who will have before them a record of his career both academic and extramural. They will be asked questions on matters of general interest. Special attention will be paid to assessing their potential qualities of leadership, initiative and intellectual curiosity, tact and other social qualities, mental and physical energy, power of practical application and integrity of character.

**APPENDIX II**

**REGULATIONS FOR THE PHYSICAL EXAMINATIONS  
OF CANDIDATES FOR APPOINTMENT TO THE  
INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL  
ENGINEERS**

These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to required physical standard. The regulations are also intended to provide guidelines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy cannot be declared fit by the medical examiners. However while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations it would be permissible for a medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.

It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. (a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of India (including Anglo-Indian) race, it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth the candidate should be hospitalised for investigations and X-Ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

(b) However, the minimum standards for height and chest girth without which candidates cannot be accepted, are as follows :

	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
Male candidates . . .	152 Cm.	84 Cm.	5 Cm.
Female candidates . . .	150 Cm.	79 Cm.	5 Cm.

The minimum height prescribed is relaxable in case of candidates belonging to Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals, etc whose average height is distinctly lower.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in the centimeters and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades behind and lies in same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted, and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, thus 84—89, 86—93, etc. In recording the measurements, fractions of less than  $\frac{1}{2}$  centimetre should not be noted.

*N.B.*—The height and chest of the candidates should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms, fraction of half a kilogram should not be noted.

6. The candidate's eye sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

- (i) General.—The candidate's eyes will be submitted to a general examination directed to the detection of any disease or abnormality. The candidate will be rejected if he suffers from any squint or morbid conditions of eyes, eye lids or contiguous structures of such a sort as to render or are likely at a future date to render him unfit for service.
- (ii) Visual Acuity.— The examination for determining the acuteness of vision includes two tests one for distant, the other for near vision. Each eye will be examined separately.

There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

The candidate will be examined with the apparatus and according to the method prescribed by the Railway Board's Standing Advisory Committee of Medical Officers, to determine his acuity of vision.

*N.B.*—No candidate will be accepted for appointment whose standard of vision does not come up to requirement specified below :—

The standard of visual acuity with or without glasses should be as follows :—

	Distant Vision		Near Vision	
	Better Eye	Worse Eye	Better Eye	Worse Eye
For candidates below 35 years of age	6/6 or 6/9	6/12 or 6/9	J I	J II

NOTE : (1)

- (a) Total Myopia (including the cylinder) shall not exceed—4.00D.
- (b) Total Hypermetropia, (including the cylinder) shall not exceed +4.00D.
- (c) In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of any pathological conditions being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he shall be declared unfit.

NOTE : (2)

*Colour Vision* :

The testing of colour vision is compulsory and the results should be normal in respect of all candidates. Satisfactory colour vision constitutes recognition of signal red, green and white colours with ease and without hesitation. Both the Ishihara's plates and Edridge's Green lantern shall be used for testing colour vision.

Colour perception should be graded into higher and lower grade depending upon the size of the aperture in the lantern as described below :

Grade	Higher Grade of Colour perception	Lower Grade of Colour perception
1. Distance between the lamp and the candidates	16'	16'
2. Size of the aperture	1.3 mm	13 mm.
3. Time of exposure	5 Seconds	5 Seconds

Higher grade of colour perception is essential for Special Class Apprentices.

NOTE : (3)

The field of vision shall be tested in respect of all Services by the confrontation method. Where such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

NOTE : (4)

*Night Blindness* :

Night blindness need not be tested as a routine, but only in special cases. No standard test for the testing of night blindness or dark adaption is prescribed. The Medical Board should be given the discretion to improvise such rough tests e.g. recording of visual acuity with reduced illumination or by making the candidate recognise various objects in a darkened room after he has been there for 20 to 30 minutes. Candidates' own statements should not always be relied upon, but they should be given due consideration.

NOTE : (5)

*Ocular conditions other than visual acuity* :

- (a) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered as a disqualification.
- (b) Squint. The presence of binocular vision is essential. Squint, even if the visual acuity is of the prescribed standard, should be considered as a disqualification.
- (c) *One-eyed person*.—One-eyed persons will not be eligible for appointment.

NOTE : (6)

*Contact Lenses* :

During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot candles.

## NOTE : (7)

It shall be open to Government to relax any one of the conditions in favour of any candidate for special reasons.

7. *Blood Pressure :*

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

- (i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.
- (ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

*N.B.*—As a general rule any systolic pressure over 140 mm and diastolic over 90 mm should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc. or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-Ray and electrocardiographic examination of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the medical board only.

## Method of taking Blood Pressure :

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably, at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated, should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level at which well-heard clear sound change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and vitiate the readings. Re-checking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This Silent Gap may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests, the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of the diabetes if except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required, they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations, clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital, under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporary unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks

after the date of confinement, subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

## 10. The following additional points should be observed :—

- (a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case the hearing is defective, the candidate should be got examined by an Ear Specialist, provided that, if the defect is of a temporary nature, remediable by operation *but without the use of Hearing Aid*, and provided further that the candidate has no progressive disease in the ear, he can be declared fit. The following are the guidelines for the medical examination authorities in this regard :—
  - (i) Marked or total deafness in one ear, other ear being Special Class Apprentices. *Unfit for appointment as Special Class Apprentices.*
  - (ii) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. *Unfit for appointment as Special Class Apprentices.*
  - (iii) Perforation of tympanic membrane of central or marginal type. *Any unhealed perforation of eardrum would disqualify but evidence of healed lesion would not be a cause for disqualification.*
  - (iv) Ears with mastoid cavity sub-normal hearing on one side/both sides. *Unfit for appointment as Special Class Apprentices.*
  - (v) Persistently discharging ear—operated/unoperated. *Temporarily unfit for both technical and non-technical jobs.*
  - (vi) Chronic inflammatory/allergic conditions of nose with or without bony deformities of nasal septum.
    - (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.
    - (ii) If deviated nasal septum is present with symptoms Temporarily unfit.
  - (vii) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx.
    - (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit.
    - (ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily unfit.
  - (viii) Benign or locally malignant tumours of the E.N.T.
    - (i) Benign tumours—Temporarily unfit.
    - (ii) Malignant tumours—Unfit.
  - (ix) Otosclerosis. *Unfit for appointment as Special Class Apprentices.*
  - (x) Congenital defects of ear, nose or throat.
    - (i) If not interfering with functions—Fit.
    - (ii) Stuttering of severe degree—Unfit.
  - (xi) Nasal Poly. *Temporarily Unfit.*
  - (b) that his/her speech is without impediment;
  - (c) that his/her teeth are in good order and that he/she is provided with dentures where necessary for effective mastication (well-filled teeth will be considered as sound);
  - (d) that the chest is well formed and his/her chest expansion sufficient and that his heart and lungs are sound;
  - (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
  - (f) that he/she is not ruptured;
  - (g) that he/she does not suffer from hydrocele, varicose veins or piles;
  - (h) that his/her limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his/her joints;

- (i) that he/she does not suffer from any inveterate skin disease.
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he/she does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he/she bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he/she is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination.

When any defect is found it must be noted in the Certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

NOTE.—Candidates are warned that there is no right of appeal from a Medical Board, special or standing appointed to determine their fitness for the above Service. If, however Government are satisfied on the evidence produced before them of the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, it is open to Government to allow an appeal to a second Board. Such evidence should be submitted within one month of the date of the communication in which the decision of the first Medical Board is communicated to the candidate, otherwise no request for an appeal to a second Medical Board will be considered.

If any medical certificate is produced by a candidate as a piece of evidence about the possibility of an error of judgment in the decision of the first Board, the certificate will not be taken into consideration unless it contains a note by the medical practitioner concerned to the effect that it has been given in full knowledge of the fact that the candidate has already been rejected as unfit for service by the Medical Board.

*Medical Board and their report.*

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any of the candidate concerned.

2. No person will be deemed qualified for admission to the public service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be, that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

3. It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension of payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which is only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

4. A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

5. The report of the Medical Board should be treated as confidential.

6. In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government service, the grounds for rejection may be communicated by the appointing authority to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

7. In cases where a Medical Board considers that minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when

a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

*A. Candidate's statement and declaration.*

The candidate must make the statement required below prior to the Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention should be specially directed to the warning contained in the Notice below :

1. State your name in full (in block letters)

.....  
.....  
.....

2. State your age and birthplace .....

.....

3. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribes etc. whose average height is distinctly lower. Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is 'Yes', state the name of the race. .....

4. (a) Have you ever had smallpox, Intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism appendicitis ? .....

OR

- (b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment. .....

5. When were you last vaccinated ? .....

6. Have you or any of your near relations been afflicted with consumption, scrofula, gout, asthma, fits, epilepsy, or insanity ?

7. Have you suffered from any form of nervousness due to over-work or any other cause ?

8. Furnish the following particulars concerning your family :—

State of health	Father's age if living and death	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at death and cause of death
.....	.....	.....	.....	.....

State of health	Mother's age if living and death	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at death and cause of death
.....	.....	.....	.....	.....

9. Have you been examined by a Medical Board before ?  
.....

10. If answer to the above is yes, please state what Service/services you were examined for ?  
.....

11. Who was the examining authority ?  
.....

12. When and where was the Medical Board held ?  
.....

13. Result of the Medical Board's examination if communicated to you or if known.  
.....

I declare all the above answers to be to the best of my belief, true and correct.

Candidate's signature.....  
Signed in my presence.....  
Signature of Chairman of the Board

NOTE :—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or Gratuity.

B. Report of the Medical Board on (name of candidate) physical examination.

1. General Development	Good .....
Fair .....	Poor .....
Nutrition :	Thin .....
	average .....
Height (without shoes)	obese .....
Weight .....	Best Weight .....
When ? .....	Any recent change in weight ? .....
Temperature .....	.....

Girth of Chest :—

(1) (After full inspiration)	.....
(2) (After full expiration)	.....
2. Skin. Any obvious disease	.....
3. Eyes :	.....
(1) Any disease	.....
(2) Night blindness	.....
(3) Defect in colour Vision	.....
(4) Field of vision	.....
(5) Visual Acuity	.....
(6) Fundus Examination	.....

Acuity of vision	Naked eye	with glasses	Strength of glasses		
			Sph.	Cyl.	Axis
Distant vision	R. E. L. E.				
Near vision	R. E. L. E.				

Hypermetropia (Manifest)	R- E. L. E.
-----------------------------	----------------

4. : Inspection..... Hearing.....  
Right Ear..... Left Ear.....  
5. Glands ..... Thyroid .....

6. Condition of teeth .....

7. Respiratory System : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs ?  
.....

If yes, explain fully .....

8. Circulatory System :

(a) Heart : Any organic lesions ? .....

Rate : Standing .....

After hopping 25 times .....

2 minutes after hopping .....

Blood pressure;

Diastolic : ..... Systolic : .....  
9. Abdomen Girth ..... Tenderness .....  
Hernia .....

(a) Palpable : Liver .....

Spleen .....

Tumours .....

(b) Haemorrhoids ..... Fistula .....

10. Nervous System : Indications of nervous or mental disabilities.

11. Loco Motor System : Any Abnormality .....

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, Varicocele etc. :

Urine Analysis :

(a) Physical appearance ..... (b) Sp. Gr. .... (c) Albumen .....

(d) Sugar .....

(e) Casts .....

(f) Cells .....

13. Report of X-ray examination of Chest.

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate ?

Note :—In case of a female candidate, if it is found that she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should be declared temporarily unfit, *vide* Regulation 9.

15. For which services has the candidate been examined and found in all respects qualified for the efficient and continuous discharge of his duties and for which of them is he considered unfit.

Date .....

Place .....

President .....

Member .....

APPENDIX III

CONDITIONS OF APPRENTICESHIP FOR SPECIAL CLASS  
APPRENTICES SELECTED THROUGH THIS EXAMINATION

The terms and conditions of Apprenticeship will be as set out in the form of agreement prescribed in the Indian Railway Establishment manual, brief particulars of which are given below :—

1. A candidate selected for appointment as a Special Class Apprentice shall execute an agreement, binding himself and one surety jointly and severally to refund in the event of his failing to complete training to the satisfaction of the Central Government any money paid to him consequent on his appointment as Apprentice.

The apprentices will be liable to undergo practical and theoretical training for 4 years in the first instance under an indenture binding them, to serve on the Indian Railways on the completion of their training, if their services are required. The continuance of apprenticeship from year to year will depend on satisfactory reports being received from the authorities under whom the apprentices may be working. If at any time during his apprenticeship, any apprentice does not satisfy the superior authorities that he is making good progress, he will be liable to be discharged from the apprenticeship.

NOTE.—The Government of India may at their discretion alter or modify the periods and courses of training.

2. The practical and theoretical training referred to above will be given in a railway workshop for four years of their apprenticeship. Special Class Apprentices must pass within this period either Parts 1 and 2 of the Council of Engineering Institutions Examination (London) or Section 'A' and 'B' of the Associate Membership of Institution of Engineers (India) Examination. The apprentices will be granted a stipend of Rs. 350 per mensem during the 1st and 2nd years and Rs. 400 per mensem during the 3rd and 4th years. During the apprenticeship, the candidates will be required to undergo both theoretical and practical training. There will be in all six Semester Examinations passing each of which is compulsory. If unsuccessful at any of these examinations they will, depending on their performance, be asked to sit for and pass in supplementary examination or reverted to the next lower batch or removed from apprenticeship.

NOTE.—Except as provided for in paragraph 4 below or in cases of discharge or dismissal due to insubordination, intemperance or other misconduct or breach of agreement, a week's notice of discharge from apprenticeship will be given.

3. Before the completion of 4th year of training referred to in paragraph 2 above, the apprentices will be listed in order of merit on the results of the examination held and the reports on the apprentices received during the period of apprenticeship. Successful apprentices will be appointed on probation for 3 years in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers.

NOTE.—An apprentice will be considered to have obtained the qualifying standard if he obtains a minimum of 50 per cent marks in the aggregate in all the examinations held during the six semester Examinations of his training including the marks of the reports of the Principal, Indian Railways Institute of Mechanical and Electrical Engineering, Jamalpur and of the Deputy Chief Mechanical Engineer, provided that in each of the six semester Examination he has obtained a minimum of 45 per cent marks in the aggregate and a minimum of 40 per cent marks in any one subject.

4. Unsuccessful apprentices will be discharged from their apprenticeship, one month's notice of discharge being given along with the intimation that the apprentice has been unsuccessful.

5. After successful completion of 4 years apprenticeship, the apprentices will be appointed as probationers in the Indian Railway Service of Mechanical Engineers subject to the proviso below para 1 in Appendix IV. Particulars as to pay and general conditions of service for officers of Indian Railway Service of Mechanical Engineers have been given in Appendix IV.

#### APPENDIX IV

##### PARTICULARS REGARDING THE INDIAN RAILWAY SERVICE OF MECHANICAL ENGINEERS

1. The period of probation will be three years. The appointment and pay as probationers will commence from (a) the date of completion of 4 years of the apprenticeship or (b) the actual date of completion of training whichever is later.

Provided however that those Special Class Apprentices who could not pass parts I & II of AMIMF (London)/Parts A & B of AMIE (India) Examination within 4 years of their apprenticeship will be deemed to have been appointed as probationers only from the date when they pass in full either of these examinations.

NOTE (i) The retention in service of probationers and the grant of annual increments are subject to satisfactory reports on their work being received at the end of each year of probation.

(ii) The services of a probationer may be terminated on three months notice on either side.

2. During the 1st and 2nd years of probation they will be sent to one or more of the Indian Railways for undergoing training in accordance with the syllabus prescribed for the purpose as modified from time to time. The probationers may also be required to attend after working hours a technical college or special lectures on Engineering subjects. They will be given an oral test at the end of each phase of training during these two years of training

and at the end of the 2nd year, they will be given a written test to be conducted jointly by the Chief Mechanical Engineer and the Chief Operating Superintendent of the Railway to which they are posted, on the training received by the probationers during this period. The qualifying marks at this test will be 50 per cent.

3. During the probationary period, they will have to attend a prescribed course of training in the Railway Staff College, Baroda and to qualify in the test held in the College. The test in the College is compulsory and a second chance, in the event of failure, will not be given except in exceptional circumstances and provided the record of the officers is such as to justify such relaxation being made. Failure to pass the test may involve the termination of service, and in any case, the officers will not be confirmed till they pass the test, their period of training and/or probation being extended as necessary. Before the end of the second year of probation, they will be required to undergo a departmental examination which will include Accounting "Estimating General and Subsidiary Rules, Factory Act, Workmen's Compensation Act ability to handle labour and general application to work or works on which each officer is engaged while on probation. They will be required to pass the departmental examination within the second year of the probationary period. Failure to pass the examination may result in termination of service and will in any case, involve stoppage of increments. In case where the probationary period has to be extended for failing to pass any or all the departmental examination within the stipulated period on their passing the departmental examination and being confirmed after expiry of extended period of probation the drawal of the first and subsequent increments will be regulated by the Rules and orders in force from time to time. It must be noted that a second chance to pass any examination will as a rule not be given except under exceptional circumstances and only provided the other record of the candidate during the period of his training is such as to justify such relaxation being made.

NOTE.—The period of training and the period of probation against a working post may be modified at the discretion of Government. If the period of training is extended in any case due to the training not having been completed satisfactorily, the total period of probation will be correspondingly extended.

4. Probationers should have already passed or should pass during the period of probation, an examination in Hindi in the Devanagari script of an approved standard. This examination may be the "PRAVEEN" Hindi Examination which is conducted by the Directorate of Education Delhi, or one of the equivalent Examinations recognised by the Central Government.

No probationary officer can be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 780.00 per month unless he fulfils this requirement; and failure to do so will involve liability to termination of service. No exemption can be granted.

5. Any person appointed to the Indian Railway Service of Mechanical Engineers shall, if so required, be liable to serve in any Defence Service or post connected with the Defence of India for a period of not less than four years including the period spent on training, if any—

Provided that such a person

- (a) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment as probationer;
- (b) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

6. Officers of the Indian Railway Service of Mechanical Engineers—

- (a) will be eligible to pensionary benefits and
- (b) shall subscribe to the State Railway Non-Contributory Provident Fund under the Rules of that fund applicable to Railway Servants appointed on the date they join service.

7. Pay will commence from the date of joining service as a probationer. Service for increments will also count from the same date subject to paragraph 3 above. Particulars as to pay are contained in paragraph 10 of this Appendix.

8. Officers recruited under these regulations shall be eligible for leave in accordance with the rules for the time being in force applicable to officers of Indian Railways.

9. Officers will ordinarily be employed throughout their service on the Railway to which they may be posted on first appointment and will have no claim, as a matter of right to transfer to some other Railway but the Government of India reserve the right to transfer such officers in the exigencies of service, to any other Railway or Project in or out of India. Officers will be liable to serve in the Stores Department of Indian Railways if and when called upon to do so.

10. The following are the rates of pay at present admissible to officers appointed to Indian Railway Service of Mechanical Engineers.

Junior scale : Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300/-.

Senior scale : Rs. 1,100 (6th year or under)—50—1,600/-.

Junior Administrative Grade : Rs. 1,500—60—1,800—100—2,000/-.

Senior Administrative Grade : (i) 2,250—125/2—2,500, (ii) Rs. 2,500—125/2—2,750/-.

NOTE 1.—Probationary officers will start on the minimum of the Junior scale and will count their service for increment from the date of joining. They will, however, be required to pass any departmental examination or examinations that may be prescribed before their pay can be raised from Rs. 740.00 p.m. to Rs. 780.00 p.m. in the time scale.

NOTE 2.—Increment from Rs. 740.00 to Rs. 780.00 will be stopped if they fail to pass departmental examinations within the first two years of the training and probationary period. In cases where the training period has to be extended for failure to pass all the departmental examinations within the stipulated period, on their passing the departmental examinations after expiry of the extended period of training, their pay from the date following that on which the last examination ends, will be fixed at the stage, in the time scale, which they would have otherwise attained but no arrears of pay would be allowed to them. In such cases the date of future increments will not be affected.

11. The increments will be given for approved service only and in accordance with the rules of the Department.

12. Promotions to the Administrative grades are dependent on the occurrence of vacancies in the sanctioned establishment and are made wholly by selection, mere seniority does not confer any claim for such promotion.

## APPENDIX V

### CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

#### A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

#### B. NATURE OF THE TEST

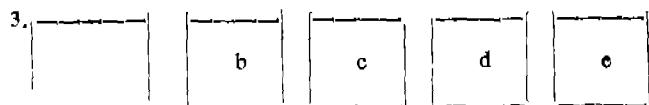
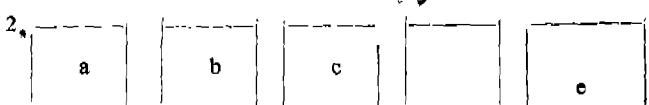
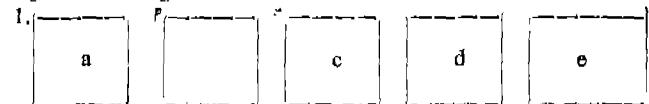
The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3... etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, ..... etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, than the best response. (see "sample items" at the end.). In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

#### C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet, number of the items from 1 to 200

have been printed in four 'Parts'. Against each item, responses, a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response). Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.



Your answer sheet (specimen enclosed) will be scored by an optical scoring machine which is sensitive to improper marking, use of non-HB pencils, and mutilated answer sheets. It is, therefore important that—

1. You bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items. The machine may not read the marks with other pencils or pens correctly.
2. If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also;
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spindle it.

#### D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for starting of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have passed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator Supervisor. YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL. YOU WILL BE SEVERELY PENALED IF YOU VIOLATE THIS RULE.
5. Write clearly in ink the name of the examination/test, your Roll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. Since the evaluation is done mechanically, you may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper, or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you. You should write the name of the examination, your Roll no. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

## E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken your seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet. Each Test Booklet will be sealed in the margin so that no one opens it before the test starts. As soon as you have got your Test Booklet, ensure that it contains the booklet number and it is sealed, otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet. You are not allowed to break the seal of the Test Booklet until you are asked to do so by the supervisor.

## F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you.

The questions are designed to measure your knowledge, understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant topics, to be sure that you UNDERSTAND the subject thoroughly.

## G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Candidates who do not stop writing will be penalised. After you have finished answering, remain in your seat and wait till the invigilator collects the Test Booklet and answer sheet from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet and the answer sheet out of the examination Hall. Those who violate this direction shall be severely penalised.

## SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty?

- (a) the successors of Asoka were all weak.
- (b) there was partition of the Empire after Asoka.
- (c) the northern frontier was not guarded effectively.
- (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.

(Answer—d)

2. In a parliamentary form of Government

- (a) the Legislature is responsible to the Judiciary.
- (b) the Legislature is responsible to the Executive.
- (c) the Executive is responsible to the Legislature.
- (d) the Judiciary is responsible to the Legislature.
- (e) the Executive is responsible to the Judiciary.

(Answer—c)

3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to

- (a) facilitate development.
- (b) prevent disciplinary problems.
- (c) provide relief from the usual class room work.
- (d) allow choice in the educational programme.

(Answer—a)

4. The nearest planet to the Sun is

- (a) Venus
- (b) Mars
- (c) Jupiter
- (d) Mercury.

(Answer—d)

5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods?

- (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
- (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
- (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
- (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.

(Answer—c)

## MINISTRY OF PLANNING

## (DEPARTMENT OF STATISTICS)

New Delhi-110001, the 12th September 1978

No. M.13011/1/78-NSS.II.—In continuation of the Department of Statistics Notification No. M.13011/1/78-NSS.II., dated the 31st August 1978, Shri M. B. Nanjappa, Director, Bureau of Economics and Statistics, Government of Karnataka, is also appointed as Member of the Governing Council for governing the activities of the National Sample Survey Organisation for a period of two years from the 1st July, 1978 to the 30th June, 1980.

V. D. AHUJA, Under Secy.

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 29th September 1978

No. U-13019/7/78-ANL.—President is pleased to cancel the Notification of Government of India in the Ministry of Home Affairs No. U-13019/7/78-ANL(I), dated the 9th August, 1978 published on page 726 of the Gazette of India dated September 2, 1978 (Bhadra 11, 1900)

UMA PILLAI, Dy. Secy

## DEPARTMENT OF SCIENCE &amp; TECHNOLOGY

New Delhi, the 25th September 1978

No. 1/5/76-CTE.—It is notified for general information that Dr. H. V. K. Udupa, Director, Central Electro-Chemical Research Institute, Karaikudi, has been appointed as Chairman, Coordination Council, Chemical Sciences Group, for a period of two years with effect from 1-10-1978 in place of Dr. B. D. Tilak, Director, National Chemical Laboratory, Poona, who is due to retire on 30-9-1978. Consequently the name and designation of Dr. B. D. Tilak appearing under Serial No. 6(iii) of Notification No. 1/15/75-CTE and No. 1/5/76-CTE, dated 10-8-1977 published in Part I Section I of the Gazette of India be and is hereby replaced with that of Dr. H. V. K. Udupa, Director, Central Electro-Chemical Research Institute, Karaikudi, and that the words "(upto 30-9-1978)" occurring against the name of Dr. B. D. Tilak is hereby replaced with the words "(upto 30-9-1980)".

A. RAMACHANDRAN, Secy.

New Delhi-110029, the 25th September 1978

No. F.1(14)/76-SR-I(NRDC).—In pursuance of Article 89 of the Articles of Association of the National Research Development Corporation of India (a company registered under the Companies Act of 1956) and in continuation of this Department's Notification of even number dated the 4th October, 1976, the President is pleased to extend the appointment of Shri R. S. Bhatt as part-time Chairman on the Board of Directors of the Corporation for a period of two years with effect from 15th September, 1978 and upto 14th September, 1980.

K. V. SWAMINATHAN, Director

**MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE**  
(DEPARTMENT OF FAMILY WELFARE)

New Delhi, the 23rd September 1978

No. L.14011/2/78-AP.—In supersession of this Ministry's notification No. 5/9/71-AP, dated 29th January, 1975 and subsequent corrigenda issued thereto, relating to the constitution of an Indian Advisory Board to advise on policy and technical matters relating to the Child Care Project in Andhra Pradesh, it has been decided to reconstitute the Advisory Board, as indicated below:—

*Chairman*

1. Chief Secretary to the Government of Andhra Pradesh.

*Members*

2. Secretary to the Government of Andhra Pradesh, Education Department.
3. Additional Secretary & Commissioner, Ministry of Health & F.W., Government of India or her nominee.
4. Secretary to Government of Andhra Pradesh, Medical and Health Department.
5. Secretary to Government of Andhra Pradesh, Municipal Administration, Department and Urban Development Department.
6. Secretary to Government of Andhra Pradesh, Labour, Employment and Technical Education Department.
7. Secretary to Government of Andhra Pradesh, Paachayati Raj Department.
8. Collector, Hyderabad.
9. Director, National Institute of Nutrition, Taranaka, Hyderabad.
10. President, Indian Council for Child Welfare, New Delhi.
11. Director of Medical and Health Services, Government of Andhra Pradesh.
12. Director (Research), Department of Social Welfare Government of India, New Delhi.
13. Smt. Premlatha Gupta, Chairman, Family Planning Association of India (Andhra Pradesh), Hyderabad.
14. Secretary, Indian Association of Pre-School Education, New Delhi.
15. Mrs. Wahabuddin Ahmed, Chairman, Bharat Grameena Mahila Sangh Hyderabad.
16. Smt. J. Kumidini Devi, Sivanandagruha, 77, Begumpet, Hyderabad.
17. Director, Woman & Child Welfare, Government of Andhra Pradesh.
18. Shri V. Rama Rao, Member, Vidhan Parishad (A.P.), 5, Special B Old M. L. Quarters, Hyderabad-500001.
19. Shri B. Lakshman, 8-3-1107, Keshav Nagar, Hyderabad-500073.
20. Director, Indo-Dutch Project, Hyderabad.

**ORDER**

ORDERED that a copy of the notification be communicated to the Government of Andhra Pradesh and that the notification may be published in the Gazette of India for information.

RAMESH BAHADUR, Dy. Secy.

**MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION**

New Delhi-1, the 26th September 1978

**RESOLUTION**

No. HS-11027/6/77-HL.—In continuation of this Ministry's Resolutions No. HS-11027/6/77-HL dated the 5th August, 1977 regarding constitution of a Wage Review Committee for non-officer employees of India Tourism Development Corporation and No. HS-11027/6/77-HL dated the 21st March, 1978 granting an extension of time to the Committee for submitting its recommendations the Government have decided to grant

to the Committee a further extension of time for a period of three months, upto the 4th November, 1978 to submit its recommendations to it.

**ORDER**

Ordered that a copy of the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

Ordered also that a copy of the Resolution be also communicated to all concerned.

C. B. JAIN, Director General (Tourism)  
and ex-Officio Additional Secretary

**MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING**

New Delhi, the 26th September 1978

**RESOLUTION**

No. E.11011/25/73-Admn.I/Hindi.—In supersession of Ministry of Information and Broadcasting Resolution No. E.11011/25/73-Admn.I/Hindi, dated 24th June, 1975, the Govt. of India have decided to re-constitute the Soochana Aur Prasaran Hindi Samiti of the Ministry of Information and Broadcasting.

2. The Samiti will consist of :—

1. Minister of Information & Broadcasting	Chairman
2. Shri Ram Kanwar Berwa, M.P. (Lok Sabha)	Member
3. Smt. Pratibha Singh, M.P. (Rajya Sabha)	Member
4-5. Two other Member of Parliament (to be nominated)	Member
6. Shri Sachchidanand Vatsyayan 'Agyeya', Editor, 'Navbharat Times'. 7, Bahadurshah Jafar Marg, New Delhi.	Member
7. Dr. Vidya Niwas Mishra, Director, K. M. Munshi Institute of Linguistics, Agra University, Agra-282004.	Member
8. Shri Girija Kumar Mathur, 3, Pt. Pant Marg, New Delhi.	Member
9. Shri Vishnu Kant Shastri, M.L.A. West Bengal Legislative Assembly, 280 Chitranjan Avenue, Calcutta-700006.	Member
10. Dr. Moturi Satyanarayana, (Chairman, Kendriya Hindi Shikshan Mandal, Agra) 7, First Crescent Road, Gandhi Nagar, Adyar, Madras-600020.	Member
11. Prof. G. Sundara Reddi, Head of the Department of Hindi, Andhra University, Vidya Nagar, Visakhapatnam-530003.	Member
12. Smt. Mannu Bhandari, 29/17, Shakti Nagar, Delhi-7.	Member
13. Shri Kunwar Chandra Prakash Singh, Braham Nagar Sitalpur Road, Lucknow-226007.	Member
14. Dr. N. S. Dakshinamoorthy, Professor, Dept. of P. G. Studies and Research in Hindi, University of Mysore, Manasa Gangotri, Mysore-6.	Member
15. Shri Ram Lal Parikh, Secretary, Akhil Bhartiya Hindi Sanstha Sangh, 75, Jawaharlal Nehru Marg, New Delhi-110002.	Member

16. Shri Shankar Rao Laudhe, Secretary, Rashtra Shasha Prachar Samiti, Vaidha.	Member	Rajya Sabha Sectt., Planning Commission, Comptroller and Auditor General, Accountant General, Central Revenue and Controller General of Accounts.
17. Shri Kishan Patnaik, C-37, People's Co-operative Colony, Lohiya Nagar, Patna-800020.	Member	Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.
18. Shri K. Venkateswaran, Editor, "Daily Pratap", 5, Bahadurshah Jafar Marg, New Delhi-110002.	Member	
19. Smt. Uma Rao, 15, Tagore Town, Allahabad.	Member	
20. Secretary, Department of Official Language and Hindi Advisor to the Govt. of India.	Member	
21. Secretary, Ministry of Information & Broadcasting.	Member	
22. Director General, All India Radio.	Member	
23. Director General, Doordarshan	Member	
24. Director of News Services, All India Radio	Member	
25. Principal Information Officer, Press Information Bureau	Member	
26. Joint Secretary, Department of Official Language	Member	
27. Chairman, Commission for Scientific and Technical Terminology.	Member	
28. Joint Secretary connected with Hindi Work, Ministry of Information and Broadcasting.	Member-Secretary	

**3. FUNCTIONS :**

The functions of the Samiti will be to render advice in regard to progressive use of Hindi for official purposes in the Ministry of Information and Broadcasting and its Media Units in accordance with the policies laid down by the Kendriya Hindi Samiti and the Department of Official Language (Ministry of Home Affairs) on the subject.

4. **TENURE :** The tenure of members of the Samiti will ordinarily be three years from the date of re-constitution of the Samiti, provided that :—

- (i) Members of Parliament, who are members of the Samiti, shall cease to be members of the Samiti as soon as they cease to be Members of Parliament;
- (ii) The ex-officio members of the Samiti shall continue as members so long as they hold office by virtue of which they are members of the Samiti; and
- (iii) If a vacancy arises on the Samiti due to resignation or death of a member, the member appointed in that vacancy shall hold office for the residual period of the tenure of three years.

**5. GENERAL :**

- (i) The Samiti may appoint sub-committees, coopt additional members and also invite experts to attend its meetings as may be necessary for assisting it in the discharge of its functions.
- (ii) The Headquarters of the Samiti shall be at New Delhi but it may hold its meetings at any other place also.
- (iii) Non-official members of the Samiti will be paid travelling allowance & daily allowance for attending the meetings of the Samiti and its sub-committees at the rates prescribed by the Govt. of India from time to time and as admissible under rules.

**ORDER**

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all State Governments and Union Territories Administrations, all Ministries and Departments of the Government of India, President's Secretariat, Prime Minister's Office, Cabinet Sectt., Dep'tt. of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Sectt.,

A. U. SARMA, Jt. Secy.

**MINISTRY OF LABOUR**

New Delhi, the 28th September 1978

**RFSOLUTION**

No. M-14011(4)/78-AI.—Government have been considering, for some time past, the question of setting up a permanent consultative machinery, in the Ministry of Labour, comprising representative from workers and employers' organisations; Central Ministries and Departments and the State Governments Institutions/Organisations and individuals/social workers engaged in, and associated with, the welfare of agricultural workers in the country, to advise them on the various administrative and legislative measures for bettering the socio-economic conditions of the rural unorganised labour and for promoting their organisations. The matter was also discussed in the Special Conference on Rural Unorganised labour held in New Delhi on 25th January, 1978, which suggested the setting-up of such a permanent consultative machinery at the Centre. The Government have accordingly decided to set up a Central Standing Committee on Rural Unorganised Labour to advise them on matters relating to improving the living and working conditions of rural unorganised labour and promoting their organisation.

2. The Standing Committee will have the following composition :

**Chairman :**

Union Minister for Parliamentary Affairs and Labour.

**Vice-Chairman :**

Minister of State in the Ministry of Labour and Parliamentary Affairs.

**Members :**

1. Mrs. Aruna Roy,  
Social & Research Centre,  
Tilonia,  
Ajmer.
2. Shri Baburao Bheid,  
c/o Shri Vijaya Munje, Dhantoli,  
Nagpur
3. Smt. Banarsi Devi Gupta,  
Village & P.O. Saraiya,  
District Bhojpur.  
Arrah.  
Bihar.
4. Shri B. N. Raj Hans.  
Nagindas Chambers, 2nd floor,  
167, PD' Mello Road,  
Bombay,
5. Dr. B. Ramamurti,  
43, Bharati Nagar,  
New Delhi.
6. Shri Chitta Basu, M.P.,  
123, North Avenue,  
New Delhi.
7. Shri Harikishan Singh Surjeet, M.P.  
20, Janpath,  
New Delhi.
8. Shri K. S. Raghupathi,  
AB-7, Pandara Road,  
New Delhi.
9. Shri M. V. Rajasekharan,  
Asian Institute of Rural Development,  
19, Kanakpura Road,  
Basavanagudi,  
Bangalore.
10. Shri Ramapati Singh, M. P.,  
14, Windsor Place,  
New Delhi.

**Members :**

11. Shri S. Jagannathan,  
Sarvodaya Mandal,  
Madurai,  
Tamil Nadu.
12. Shri Sundarlal Bahuguna,  
Parvatiya Navjivan Mandal,  
Silyara,  
Tehri Garhwal,  
Uttar Pradesh.
13. Shri Surendra Mohan, M. P.,  
15, Teen Murti Lane,  
New Delhi.
14. Prof. T. K. N. Unnithan,  
Head of the Department of Sociology,  
University of Jaipur,  
Jaipur.

**One Member each from :**

15. All India Trade Union Congress,  
24, Canning Lane,  
New Delhi.
16. A. N. Sinha Institute,  
Patna.
17. Bharatiya Mazdoor Sangh,  
23-24, Vithalbhai Patel House,  
New Delhi.
18. Bharat Krishak Samaj,  
1A, Nizamuddin West,  
New Delhi.
19. Centre for Development Studies,  
Trivandrum.
20. Centre for Indian Trade Unions,  
172, Lenin Sarani,  
Calcutta-13.
21. Centre for Studies of Social Sciences,  
Calcutta.
22. Confederation of Agricultural Relief Association,  
18/5, W. E. A. Karol Bagh,  
New Delhi.
23. Hind Mazdoor Sabha,  
Nagindas Chambers, 2nd floor,  
167, P. D' Mello Road,  
Bombay.
24. Hind Mazdoor Panchayat,  
204, Raja Ram Mohan Roy Road,  
Girgaum,  
Bombay.
25. Indian National Trade Union Congress,  
1B, Maulana Azad Road,  
New Delhi.
26. National Labour Organisation,  
Gandhi Majoor Sevalaya,  
Bhadra,  
Ahmedabad.
27. Young Farmers Association,  
North End Complex,  
R. K. Mission Ashram Road,  
New Delhi.
28. Department of Agriculture,  
Ministry of Agriculture & Irrigation,  
New Delhi.
29. Department of Rural Development,  
Ministry of Agriculture & Irrigation,  
New Delhi.
30. Planning Commission,  
New Delhi.
31. Ministry of Home Affairs,  
New Delhi.
32. Government of Andhra Pradesh.
33. Government of Bihar.
34. Government of Gujarat.
35. Government of Kerala.
36. Government of Madhya Pradesh.
37. Government of Maharashtra.
38. Government of Punjab.

**Members :**

39. Government of Tamil Nadu.
40. Government of Uttar Pradesh.
41. Government of West Bengal.

**Member Secretary :**

42. Shri P. S. Habeeb Mohamed,  
Joint Secretary,  
Ministry of Labour,  
New Delhi.

**Terms of Reference :**

3. The Committee would advise Government on the various administrative and legislative measures to better the socio-economic conditions of the rural unorganised labour (the definition of 'Rural Unorganised Labour' being the same as for "Rural Worker" in the I.L.O. Convention No. 141) and for promoting their organisation, and in particular, on matters relating to :

- (i) The proposed Central Legislation for safeguarding the interests of rural workers, particularly the agricultural workers, with regard to security of employment, working hours, payment of wages, social security schemes, safety in mechanisation, dispute settlement machinery etc;
- (ii) Amendments and additions to the existing labour laws, as and when necessary including the social security legislation, in order to extend their provisions to the rural workers and for their stricter enforcement;
- (iii) Steps, administrative and legislative, that may be taken to create conditions for the proper growth of the rural workers' organisations;
- (iv) Ways and means of removing unemployment and under-employment in rural areas through employment generation schemes;
- (v) Reorientation of the programmes of the CBWE/NLI for speeding up the process of education and organisation of rural workers;
- (vi) Abolition of the contract labour system in projects undertaken in jungles and remote areas and to encourage cooperatives of forest workers which could provide food and employment to the local people;
- (vii) Extension of socio-economic gains of development, such as health care, family welfare, education, housing, drinking water, roads, institutional credit, agricultural and consumer cooperatives network, free legal aid, for the rural poor;
- (viii) Forging a link with the Standing Committees set up at the State Level;
- (ix) Review and monitoring from time to time of the progress made in the processing and implementation by the Centre and the States, of the suggestions made by it and the State Level Committees; and
- (x) Any other issue concerning the problems of rural workers on which the Government may seek the advice of the Committee;

4. The Headquarters of the Committee will be New Delhi, and it would be provided Secretariat assistance by the Ministry of Labour in the Rural Workers' Cell.

5. The Committee will devise its own procedures. It may call for such information and take such evidence as it may consider necessary. The Ministries/Departments of the Government of India will furnish such information, material and documents, and render all such assistance as may be required by the Committee.

6. The Government of India trust that the State Governments/Union Territory Administration, public undertakings and Corporate bodies, organisations of employers and workers and all other concerned organisations, associations and institutions will extend to the Committee their co-operation.

**ORDER**

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all Ministries/Departments of the Government of India, State Government/Union Territory Administrations and others concerned.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

H. PAIS, Jt. Secy.